जिसने बदली दिशा जगत् की,
धरती और आकाश की ।
जय बोलो ऋषि दयानन्द की,
जय सत्यार्थ प्रकाश की ।।

।। ओ३म् ।।

वर्ष - ६० अंक - ७
मूल्य : एक प्रति १० रुपये
वार्षिक : १००) रु०
आजीवन - १०००) रु०
प्रतिमास ता० १३ को प्रकाशित

आर्य-संसार

आषाढ़-श्रावण : सम्वत् २०७५ वि० जुलाई – २०१८

आर्य समाज कलकत्ता के वर्ष २०१७-१८ के सभासदों की सूची

१. श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल
२. श्री अमर सिंह सैनी
३. श्री श्रीराम आर्य
४. श्री राधेश्याम आर्य
५. श्री मनीराम आर्य
६. श्री पंडित आत्मानन्द शास्त्री
७. श्री हरिशंकर ठाकुर
८. श्री सुरेश कुमार अग्रवाल
९. श्री छोटे लाल सेठ
१०. श्री मदन लाल सेठ
११. श्री लक्ष्मीकान्त जायसवाल
१२. श्री नन्दलाल सेठ
१३. श्री सन्तोष सेठ
१४. श्री सतीश आर्य
१५. श्री विनय कुमार आर्य
१६. श्री राजमणि वर्मा
१७. श्री दीपक आर्य
१८. श्री राम अचल प्रजापति
१९. श्री हीरालाल जायसवाल
२०. श्री अच्छेलाल सेठ
२१. श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता
२२. श्री आशाराम जायसवाल
२३. श्री सुरेश चन्द्र जायसवाल
२४. श्री मोती लाल साव
२५. श्री शिवकुमार जायसवाल
२६. श्री ध्रुव चन्द जायसवाल
२७. श्री विजय प्रकाश जायसवाल
२८. श्री अच्छेलाल जायसवाल
२९. श्री रामपूजन वर्मा
३०. श्री योगेशराज उपाध्याय
३१. श्री कृष्ण कुमार जायसवाल
३२. श्री विवेक सेठ
३३. श्री सुदेश कुमार जायसवाल
३४. श्री द्वारका प्रसाद जायसवाल
३५. श्री पंडित देवनारायण तिवारी
३६. श्री रन्जीत कुमार झा
३७. श्री अजय कुमार सेठ
३८. श्री सत्येन्द्र जायसवाल
३९. श्री सत्यप्रकाश जायसवाल
४०. श्रीमती माधुरी साह
४१. श्री सतीश चन्द्र जायसवाल
४२. श्री विवेक जायसवाल
४३. श्री शीतल प्रसाद आर्य
४४. श्री महेन्द्र जायसवाल
४५. श्री सिद्धार्थ गुप्त
४६. पं० नचिकेता भट्टाचार्य
४७. श्रीमती प्रभावती उपाध्याय
४८. श्रीमती सरोजिनी शुक्ला
४९. श्री अजय कुमार गुप्ता
५०. श्री अभिषेक सेठ
५१. श्री उमाशंकर जायसवाल
५२. श्री राधेश्याम अग्रहरि
५३. श्री धर्मदेव सिंह
५४. श्रीमती विद्यावती सिंह
५५. श्री राजीव गुप्ता
५६. पं० देवव्रत तिवारी
५७. श्री प्रभाकर सेठ
५८. श्री ओमप्रकाश मस्करा
५९. श्रीमती प्रवीणा जायसवाल
६०. श्री लक्ष्मीकान्त शाह
६१. श्रीमती सत्यवती जायसवाल
६२. श्रीमती चन्दा देवी जायसवाल
६३. श्रीमती नीलम प्रवीण
६४. श्रीमती सावित्री जायसवाल
६५. श्रीमती गीतारानी जायसवाल
६६. श्रीमती सत्यवती गुप्ता
६७. श्रीमती सन्तोष गोयल
६८. श्रीमती सुशीला दम्माणी
६९. श्रीमती सुनीता जायसवाल
७०. श्रीमती जानकी झा
७१. श्रीमती आशा अरोड़ा
७२. श्रीमती साधना देवी जायसवाल
७३. श्रीमती कविता अग्रवाल
७४. श्रीमती कुसुम कपूर
७५. श्रीमती भारती जायसवाल
७६. श्रीमती सरस्वती आर्या
७७. श्रीमती सुशीला जायसवाल
७८. श्रीमती सुषमा गोयल
७९. श्रीमती बीना सेठ
८०. श्रीमती रन्जीता वर्मा
८१. श्रीमती शीला वर्मा
८२. श्रीमती आराधना जायसवाल
८३. श्रीमती शकुन्तला जायसवाल
८४. श्रीमती सुशीला जायसवाल
८५. श्रीमती उर्मिला साव
८६. श्री संजय अग्रहरि
८७. श्री प्रदीप कुमार जायसवाल
८८. श्री विशाल आर्य
८९. श्रीमती उमा जायसवाल
९०. श्री गजानन्द राम
९१. श्रीमती सुषमा अगरवाल
९२. श्रीमती रीना साव
९३. श्री रतन सेठ
९४. श्रीमती लीना दमानी उपाध्याय
९५. श्री कमल प्रताप गुप्ता
९६. श्री निर्दोष अग्रवाल

ओ३म्

आर्य-संसार

वर्ष ६० अंक — ७
आषाढ़-श्रावण २०७५ वि०
दयानन्दाब्द १९३
सृष्टि सं० १,९६,०८,५३,११९
जुलाई — २०१८

आद्य सम्पादक
प्रो० उमाकान्त उपाध्याय
(स्मृति शेष)

सम्पादक :
श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल
सहयोगी संपादक :
श्रीमती सरोजिनी शुक्ला
श्री सत्यप्रकाश जायसवाल
पं० योगेशराज उपाध्याय

शुल्क : एक प्रति १० रुपये
वार्षिक : १०० रुपये
आजीवन : १००० रुपये

इस अंक की प्रस्तुति

१. आर्य समाज कलकत्ता के २०१७-२०१८ के सभासदों की सूची		२
२. इस अंक की प्रस्तुति		३
३. स्वामी जी का स्वकथित जीवन-चरित्र	पं० लेखराम द्वारा संकलित	४
४. मन्त्रीजी का प्रतिवेदन	मन्त्री—श्री दीपक आर्य	७
५. स्थिर निधियां		१९
६. आर्य समाज कलकत्ता का १ अप्रैल २०१७ से ३१ मार्च २०१८ तक का आय-व्यय विवरण		२३
७. आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट का आय-व्यय विवरण		२९
८. वैदिक अनुसन्धान ट्रस्ट का आय-व्यय विवरण		३२
९. आर्य स्त्री समाज कलकत्ता का आय-व्यय विवरण		३५
१०. १३२वें वार्षिकोत्सव के दानी दाताओं की सूची		३६

प्रकाशक :

सुरेश चन्द जायसवाल
प्रधान

दीपक आर्य
मंत्री

आर्य समाज कलकत्ता

१९, विधान सरणी, कोलकाता-७०० ००६

दूरभाष : २२४१-३४३९ **email : aryasamajkolkata@gmail.com**

'आर्य संसार' में प्रकाशित लेखों का उत्तरदायित्व सम्बन्धित लेखकों पर है ।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र कोलकाता ही होगा ।

महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी का जीवन वृत्त

अध्याय– १

पुष्कर के मेले का वृत्तान्त

महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी को गुजरात में सम्वत् १८८१ में हुआ था । पूरे भारतवर्ष में स्वामी जी का जन्म दिवस मनाया जाता है । इसी अवसर पर आर्य समाज कलकत्ता ने निर्णय किया कि पं० लेखराम द्वारा संकलित एवं आर्य महामहोपदेशक कविराज श्री रघुनन्दन सिंह निर्मल द्वारा अनूदित महर्षि स्वामी दयानन्द का जीवन चरित्र धारावाहिक प्रकाशित किया जाय, इसी शृंखला में प्रस्तुत है यह धारावाहिक जीवन-चरित्र — सम्पादक

(गतांक से आगे)

अध्याय - २

गंगा नदी के तट पर सात वर्ष का जीवन

(फाल्गुन शुदी १, सं० १९२३ से स० १९३० तदनुसार १२ मार्च, १८६७ से सन् १८७३ ई० तक)

राव कर्णसिंह से प्रेरित स्वामी जी को मारने वाले व्यक्तियों की स्वीकारोक्ति -

राव कर्णसिंह के वे सब मनुष्य जीवित विद्यमान हैं जो रात्रि को गये थे । वे कहते हैं यद्यपि हम सशस्त्र थे और हमने प्राय: ऐसे बड़े काम किये हुए थे परन्तु उनका आतंक हम पर छा गया, हम तलवार न चला सके । राव साहब के श्वसुर ने जब सब ठाकुरों को राव कर्णसिंह के विरुद्ध देखा तो उससे जाकर कहा कि आज ठाकुर लोग दुखी हो गये हैं, यदि भला चाहते हो तो चले जाओ अन्यथा जो दशा तुम रात को स्वामी जी की करना चाहते थे, वही दशा तुम्हारी होगी । जिस पर वह भय के मारे प्रात:काल ही चला गया। इस बार स्वामी जी एक मास रहे। पूर्णमासी की रात को यह झगड़ा हुआ, पड़वा के दिन वह यहां से चले गये । इसके चार-पाँच दिन पश्चात् स्वामी जी महाराज काशी की ओंर चले गये ।

निर्भय दयानन्द ! - पंडित बलदेव जा गौड़ ब्राह्मण डिबाई निवासी ने कहा 'कि जब

कैथलसिंह ठाकुर ने स्वामी जी से कहा कि आप यहां से चलकर किसी और स्थान पर जा रहिए तब स्वामी जी ने कहा कि **'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः'** मुझको कोई नहीं मार सकता और साधु लोग कहाँ गढ़ों अथवा घरों में घुसते हैं । हमारा कोई मनुष्य रक्षक नहीं प्रत्युत देव रक्षक है । अरे ! घबरा मत, उसी का शस्त्र लेकर उसी को हनन कर डालूँगा ' ।

एक बार हरिद्वार से गढ़मुक्तेश्वर तक और तत्पश्चात् कर्णवास और रामघाट तक स्वामी जी सीधे चले आये । फिर लौटकर गंगातट के साथ-साथ आये । इस विषय में **पण्डित ज्वालाप्रसाद गौड़** पिलखनी निवासी जिला बुलन्दशहर वर्णन करते हैं कि पहले पहल मुझे स्वामी जी के दर्शन कर्णवास में वैशाख मास, संवत् १९२४ में हुए । वहां गंगा के तट पर स्नान करके नग्न बैठे हुए थे । लंगोटी सूख रही थी । ऊधो जी तालिबनगर जिला अलीगढ़ निवासी और मैं हम दोनों विद्यार्थी वहां पहुँचे, उन दिनों हम भागवत पढ़ते थे । हमने देखा कि एक परमहंस बैठे हैं । प्रथम हम उनके शरीर पर रेती और गंगारज प्रेम से लगाने लगे । उन्होंने संस्कृत में पूछा कि तुम क्या पढ़ते हो ? हमने कहा कि भागवत । उन्होंने कहा कि तुमने व्याकरण में क्या पढ़ा है ? हमने कहा कि कौमुदी । स्वामी जी ने कहा कि तुमको अष्टाध्यायी पढ़नी उचित है और दसों उपनिषद्, वेदान्त और मनुस्मृति । जिससे धर्म का उपदेश हो वही पढ़ना और उसी के अनुसार चलना । इस पर हमने पुछा कि वैरागी लोग जो शंख-चक्र आदि देते हैं और उपद्रव करते हैं उससे क्या होता है और यह ठीक है अथवा नहीं ? उन्होंने कहा कि वैरागी जितने हैं सब धर्म से बेर्धम हैं क्योंकि शंख-चक्र का लगाना अनुचित है, उचित नहीं । इतनी बात उनकी सुनकर मैंने शफीनगर के समीप स्थित ग्राम खंडवी परगना व अहार के एक पंडित नन्दराम नरौड़ी निवासी का वृत्तांत सुनाया जो समासरी अर्थात् चक्रांकित है और खण्डवी के जाटों को शंख-चक्र देखकर वैष्णव बनाने के लिए मथुरा जी भेजना चाहता है और यह भी सुनाया कि नन्दराम मुझको भी कहता है कि तुम भी समासरी होकर इनके अधिष्ठाता हो जाओ । इसलिए आप वहां चलें ताकि लोगों के धर्म की रक्षा हो । उन्होंने कहा कि तुम जाओ, यदि हमारे आने की आवश्यकता हुई तो हम भी आयेंगे ।

चक्रांकितों का कुचक्र निष्क्रिय कर दिया

कोई चक्रांकित नहीं हुआ- इसके पश्चात् एक बार स्वामी जी गंगा के किनारे-किनारे यहां **चाशनी** में आये । तब **छीतरसिंह जाट ने कहा** कि वह महात्मा दयानन्द जी मुझे पहले यहाँ चाशनी में मिल चुके हैं, जो वह कह•दें तो हमें स्वीकार है । अन्त में हम और पण्डित नन्दराम व पण्डित भूदत्त मौवा खेड़ी निवासी और छीतरसिंह व अतरामसिंह अन्य बीस मनुष्यों सहित वहां गये । स्वामी जी उस समय छोटी धार पर बैठे थे । स्वामी जी को देखकर और उनका नाम सुनकर पंडित नन्दराम परली धार की ओर भाग गया और जब वहां उसको बुलाने के लिए गया तो वह वहां से भागकर अहार में देवीदास चक्रायत के मंदिर में जा ठहरा । उसका यह आचरण देखकर उन सबको निश्चय हुआ कि वह धर्म सच्चा नहीं । जो स्वामी जी कहते हैं, वही ठीक है । स्वामी जी के इस प्रयत्न से कोई भी चक्रांकित धर्म में प्रवृत्त न हुआ- सब बच गये । स्वामी जी ने पूछा,'क्या मनुस्मृति, महाभारत तुम्हारे पास हैं ? मैंने कहा कि न मनुस्मृति पढ़ा हूँ और न मेरे पास है और महाभारत भी नहीं है । उस समय स्वामी जी दस पन्द्रह दिन यहां रहकर **ताहीरपूर** में जा ठहरे और वहाँ से फिर **कर्णवास** की ओर चले गये और **फर्रुखाबाद** तक गये। जब लौटकर कार्तिक के मेले में आये तो यहां **चाशनी** में आकर मुझसे ६।।।) पर मनुस्मृति मंगवायी और पढ़ानी प्रारम्भ कर दी ।

जैसा भी भोजन मिलता, जो पहले मिल जाता वही खा लेते थे - उस समय वहां एक वैरागी रहता था । उसने स्वामी जी को देखकर सोचा कि यह हमारी निन्दा करता है: अच्छा है कि यहाँ न टिके । स्वामी जी का उस समय यह नियम था कि जो रोटी पहले लावे उसकी खा लेते थे । वह वैरागी (हठ के मारे) एक दो टुकड़े जलाकर उनको दे देता था और सदा कुपित रहता था । परन्तु लोगों के डर के मारे मुख से कुछ न कहता था । इस पर स्वामी जी उसके नित्य के क्रोध को देखकर वहाँ से चले गये । लगभग आठ दिन ठहरे ।

क्रमशः -------

।। ओ३म् ।।

आर्य समाज कलकत्ता

का संक्षिप्त विवरण एवं स्थायी क्रिया-कलाप

आर्य समाज कलकत्ता की स्थापना १८८५ ई० में हुई थी और स्थापना में ही यह प्रकट हो गया था कि इस समाज का भविष्य बड़ा उज्जवल है । आर्य समाज कलकत्ता के संस्थापक प्रधान राजा तेजनारायण जी थे । श्री तेजनारायण जी भागलपुर के रईस थे, अच्छे सम्पन्न थे और सम्पन्नता के साथ ही बड़े उदार हृदय के व्यक्ति थे । संस्थापक उपप्रधान जस्टिस पंडित शम्भूनाथ जी पण्डित के सुपुत्र पण्डित शंकरनाथ जी थे । पण्डित शंकरनाथ जी सम्पन्न तो थे ही, उच्च कोटि के विद्वान् और लेखक भी थे । राजा तेजनारायण और पण्डित शंकरनाथ का साथ-साथ प्रधान-उपप्रधान निर्वाचित होना मणि-कांचन जैसा सुयोग था । आर्य समाज कलकत्ता के संस्थापक प्रधानमंत्री बाबू महावीर प्रसाद जी निर्वाचित हुए । बाबू महाबीर प्रसाद जी राजा तेजनारायण जी के व्यवसाय और जमींदारी का दायित्व कोलकाता में सम्भालते थे ।

प्रगति के चरण:—आर्य समाज कलकत्ता अपने स्थापना काल से ही प्रगति के पथ पर अग्रसर होता रहा । प्रारम्भ में ही आज से १३० वर्ष पूर्व आर्यावर्त्त प्रेस स्थापित किया गया । इसके लिए राजा तेजनारायण जी ने २० हजार रुपये और पण्डित शंकरनाथ जी ने अपने निवास स्थान में दो कमरे दिए थे । उस आरम्भिक काल में भी आर्य समाज कलकत्ता ने आर्यावर्त्त नाम का एक पत्र प्रकाशित करना आरम्भ किया । पण्डित रुद्रदत्त शर्मा सम्पादकाचार्य इस पत्र के प्रथम सम्पादक नियुक्त हुए । राजा तेजनारायण जी ने १० हजार रुपये की सहायता देकर श्री देवेन्द्रनाथ मुखोपाध्याय को स्वामी दयानन्द सरस्वती जी की जीवनी लिखने के लिए सामग्री संचय के निमित्त प्रदान किया । आज १३१ वर्षों बाद ये १०, २० हजार रुपये आज कितने लाख हुए यह किसी के भी अनमान का विषय हो सकता है । आरम्भ से ही आर्य समाज कलकत्ता के अधिकारी और कार्यकर्त्ता आर्य समाज कलकत्ता को प्रगति के पथ पर अग्रसर किये जा रहे हैं । पिछले १३२ वर्षों के सुदीर्घ काल में प्रगति के निम्न चरण उल्लेखनीय हैं । एक सूची निम्न प्रकार की जा सकती है—

(१) आर्य समाज कलकत्ता की स्थापना	१८८५ ई०
(२) आर्य कन्या विद्यालय की स्थापना	१९०२ ई०
(३) आर्य समाज मंदिर की भूमि का क्रय	१९०७ ई०
(४) आर्य कन्या विद्यालय के लिए मकान का क्रय	१९०९ ई०
(५) आर्य समाज मन्दिर का निर्माण	१९१० ई०
(६) आर्य समाज कलकत्ता की रजत-जयन्ती	१९१० ई०
(७) आर्य महिला शिक्षा मंडल ट्रस्ट की स्थापना	१९३५ ई०
(८) आर्य समाज कलकत्ता की स्वर्ण जयन्ती	१९३५ ई०

(९) आर्य विद्यालय की स्थापना	१९३६ ई०
(१०) आर्य कन्या महाविद्यालय के लिए रानी बिड़ला भवन का निर्माण	१९३७ ई०
(११) आर्य स्त्री समाज की स्थापना	१९५२ ई०
(१२) आर्य कन्या महाविद्यालय के लिए दूसरे भवन का निर्माण	१९५५ ई०
(१३) रानी बिड़ला आर्य अतिथिशाला	१९५७ ई०
(१४) महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय	१९५९ ई०
(१५) आर्य संसार मासिक पत्र का प्रकाशन	१९५९ ई०
(१६) आर्य समाज कलकत्ता की हीरक जयन्ती	१९६१ ई०
(१७) रघुमल आर्य विद्यालय के लिए भवन का निर्माण	१९६२ ई०
(१८) ऋषि जीवन पर म्यूराल पेन्टिंग (गैलरी में)	१९६६ ई०
(१९) आर्य विद्यालय ट्रस्ट की स्थापना	१९६७ ई०
(२०) आर्य कन्या महाविद्यालय की हीरक् जयंती (७५ वर्ष)	१९७७ ई०
(२१) सुवा देवी पोद्दार हाल का निर्माण	१९७८ ई०
(२२) रानी बिड़ला आर्य अतिथिशाला दूसरा तल्ला	१९७८ ई०
(२३) आर्य समाज कलकत्ता की शताब्दी	१९८५ ई०
(२४) रघुमल आर्य विद्यालय की स्वर्ण जयंती	१९८६ ई०
(२५) आर्य कन्या महाविद्यालय की शताब्दी	२००२ ई०
(२६) आर्य समाज मन्दिर की छत पर हॉल का निर्माण	२००८ ई०
(२७) आर्य संसार मासिक पत्र की स्वर्ण जयन्ती	२००९ ई०
(२८) आर्य समाज कलकत्ता का द्वितीय शताब्दी — रजत-जयन्ती	२०१० ई०
(२९) लिफ्ट का निर्माण	२०१२ ई०
(३०) आर्य गौरव (बंग भाषा में) मासिक पत्र का प्रकाशन	२०१३ ई०
(३१) सुवा देवी पोद्दार हॉल का वातानुकूलिकरण	२०१६ ई०
(३२) आर्य कन्या महाविद्यालय के छत पर कमरे का निर्माण	२०१८ ई०

प्रगति के इन चरणों पर विहंगम दृष्टि डालने से किसी भी संस्था को अपनी प्रगति से संतोष का अनुभव होना स्वाभाविक है । इस समय आर्य समाज कलकत्ता कई प्रकार के जनसेवा के कार्यों का संचालन कर रहा हैं, जिसका विवरण निम्न हैं ।

महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय :– महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय का आरम्भ प्रसिद्ध आर्य महाउपदेशक ठाकुर अमर सिंह जी ने १९५९ ई० में प्रारम्भ किया । ठाकुर अमर सिंह जी कुशल

मिशनरी की तरह आयुर्वेद का भी अच्छा ज्ञान रखते थे । उस समय आर्य समाज कार्यालय के प्रभारी आयुर्वेद-भास्कर श्री दिनेश चन्द्र शर्मा थे । इनके सहयोग में श्री अमृत नारायण झा सहयोगी वैद्य का कार्य करने लगे । वर्तमान में इस औषधालय के अनुभवी चिकित्सक वैद्य श्री अमृत नारायण झा हैं । आर्य समाज के विशाल भवन में प्रवेश करते ही प्रथम खण्ड में बायीं ओर महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय और दाहिनी ओर आर्य समाज कलकत्ता का पुस्तकालय है । औषधालय प्रतिदिन प्रातः काल ७.३० बजे से १० बजे तक खुला रहता है और प्रतिदिन औसत में ६०-७० रोगी लाभ उठाते हैं । इस वर्ष औषधालय पर लगभग एक लाख रुपया का वार्षिक व्यय है ।

होमियोपैथिक चिकित्सा :—प्रत्येक मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को सायं काल ५ बजे से ७ बजे तक डा० हरिशंकर ठाकुर निःशुल्क होमियोपैथी चिकित्सा प्रदान करते हैं । रोगियों की चिकित्सा और औषधि वितरण निःशुल्क किया जाता है ।

नेत्र चिकित्सा विभाग :–आर्य समाज कलकत्ता की युवा शाखा के तत्वावधान में प्रत्येक सोमवार को १२.३० बजे से १.३० बजे तक रोगियों का नेत्र परीक्षण और चिकित्सा डा० शौभिक घोष की देख-रेख में निःशुल्क करने की व्यवस्था है । आवश्यकता होने पर रोगियों को चश्मा भी निःशुल्क दिया जाता है ।

प्याऊ की व्यवस्था :– दुर्गापूजा के समय सप्तमी से विजयादशमी तक प्रतिदिन सांयकाल ७ बजे से रात्रि १२ बजे तक प्याऊ की व्यवस्था युवा शाखा की ओर से की जाती है । आर्य समाज कलकत्ता के द्वितीय शताब्दी — रजत जयन्ती समारोह के अवसर पर स्थापना के १२५ वें वर्ष में मशीन द्वारा शीतल जल की व्यवस्था श्री शिवकुमार एवं श्रीमती सुनीता देवी जायसवाल द्वारा लगवाया गया तथा प्याऊ का पुनरूद्धार किया गया ।

आर्य समाज कलकत्ता के मुख्य क्रिया कलाप–आर्य समाज कलकत्ता एक सक्रिय समाज है उसके कई कार्यक्रम स्थायी रूप से सम्पूर्ण वर्ष चलते रहते हैं ।

दैनिक यज्ञ :–सम्पूर्ण वर्ष प्रतिदिन प्रातः काल अनिवार्य रूप से देव यज्ञ का कार्यक्रम होता है । इस वर्ष १ अगस्त २०१६ से सायकाल ७:०० बजे से ७-३० बजे तक भी यज्ञ अनिवार्य रूप से प्रारम्भ हुआ । सायंकालीन यज्ञ की शुरूआत समाज के पूर्व प्रधान श्री अच्छेलालजी सेठ के प्रयास से सम्भव हो पाया । वे नियमित रूप से सायं यज्ञ में उपस्थित रहते हैं । प्रात: एवं सायं ७-०० से ७-३० बजे तक दैनिक यज्ञ में कोई न कोई विंद्वान अवश्य सम्मिलित होते हैं ।

साप्ताहिक सत्संग :– आर्य समाज कलकत्ता का साप्ताहिक सत्संग प्रति रविवार प्रातः काल ९.३० से १२ ब्रजे तक होता है । प्रातः ९.३० से १०.३० बजे तक यज्ञ का कार्यक्रम श्री पंडित नचिकेता भट्टाचार्य जी के द्वारा सम्पन्न कराया जाता है, यह साप्ताहिक यज्ञ बड़ा जनप्रिय है । इसमें लगभग ६०-७० व्यक्ति उपस्थित होते हैं । यज्ञ के पश्चात् प्रसाद और प्रातराश की व्यवस्था समाज की ओर से होती है । यज्ञ के पश्चात् सत्यार्थ प्रकाश की कथा, भजन, संगीत और मुख्य प्रवचन की व्यवस्था रहती है । आर्य समाज कलकत्ता के पण्डितगण—पण्डित आत्मानन्द शास्त्री, पण्डित देवनारायण

तिवारी और पण्डित कृष्णदेव शास्त्री, पं० योगेश राज उपाध्याय, पं० देवव्रत तिवारी, आ० ब्रह्मदत्त जी की सेवाएँ उपलब्ध रहती हैं । सत्यार्थ प्रकाश की कथा बहुधा पण्डित आत्मानन्द शास्त्री करते हैं। भजन और संगीत में आर्य समाज के सदस्यों का सहयोग तो रहता ही है साथ ही प्रसिद्ध भजनोपदेशकों द्वारा संगीत और भजन प्रस्तुत किया जाता हैं। सत्संग में मुख्य प्रवचन पण्डित देवनारायण तिवारी, आचार्य ब्रह्मदत्त जी, पं० देवव्रत जी एवं पं० योगेशराज उपाध्याय जी का होता है । कोलकाता जैसे महानगर में कई बार बाहर से विद्वान् संन्यासी उपस्थित हो जाते हैं उनके प्रवचन से भी समाज को लाभ होता है ।

आर्य स्त्री समाज का साप्ताहिक सत्संग –

आर्य स्त्री समाज कलकत्ता की स्थापना सन् १९५२ ई० में **माता वीरावाली मनचन्दा एवं माता विद्यावती सभरवाल** आदि माताओं के प्रेरणा एवं प्रयास से आर्य समाज कलकत्ता की छत्र-छाया में हुई। आर्य स्त्री समाज का सत्संग प्रत्येक बुधवार को अपराह्न ३ बजे से ५ बजे तक होता है । जिसमें यज्ञ, वेदपाठ, भजन, उपदेश सन्ध्या आदि का कार्यक्रम होता है । आर्य स्त्री समाज का साप्ताहिक सत्संग पण्डित नचिकेता भट्टाचार्य जी की देख-रेख में होता है । पण्डित जी अध्यात्म के विभिन्न विषयों को प्रश्नोत्तर के माध्यम से समझाते एवं मार्गदर्शन करते हैं । १९ अप्रैल से २३ अप्रैल तक आध्यात्मिक महिला सत्संग का कार्यक्रम बहन अंजलि आर्या जी के सान्धिय में बड़ी धूम-धाम से मनाया गया ।

पण्डित नचिकेता जी के सान्निध्य में इस वर्ष स्वतन्त्रता दिवस, दीपावली प्रीति सम्मेलन, बसन्त पंचमी, होली उत्सव तथा नव संवत्सर आदि त्यौहार बड़ी धूम-धाम से मनाये गये ।

जो नियमित सदस्याएँ है उन्हें आर्य स्त्री समाज की तरफ से उनके जन्म दिवस पर एक नारियल और अभिनन्दन पत्र उनकी उपस्थिति में दिया जाता है । जो सदस्याएँ उस दिन उपस्थित नहीं हो पाती हैं उनके घर अभिनन्दन पत्र भेज दिया जाता है तथा मन्त्री जी के द्वारा दूरभाष के माध्यम से बधाई दे दी जाती है ।

जनवरी में होने वाले चंडीपुर के वार्षिकोत्सव पर तकरीबन ३० महिलाएँ चंडीपुर समाज में गई थी वहाँ जाकर उन्होंने अपना योगदान दिया और सभी ने वहाँ बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम को काफी सराहा और आनंद उठाया । इस वर्ष चंडीपुर आर्य समाज का ४०वां वार्षिकोत्सव मनाया गया जिसमें मेरठ से डॉ० वेदपाल जी पधारे थे ।

महीने में एक बार किसी भी सदस्या के घर पारिवारिक सत्संग होता है तो उन्हें 'ओ३म्' का memento और धन्यवाद पत्र दिया जाता है । वर्तमान में आर्य स्त्री समाज की प्रधाना श्रीमती सुशीला दम्मानी , मंत्रिणी श्रीमती सत्यवती जायसवाल हैं । इस समय सदस्याओं की संख्या लगभग ५३ है। आर्य स्त्री समाज द्वारा बालक सत्संग को चलाने के लिये सहयोग दिया जाता है।

पं० नचिकेता जी के कुछ नया करने की प्रेरणा से प्रेरित होकर स्त्री समाज ने दो वर्षां से मई महीने में जब प्रचंड गर्मी पड़ती है उस समय **'आम पन्ना'** पिलाने का प्रयास किया और तकरीबन ५०० लोगों को आम पन्ना पिलाया गया । सभी सदस्याओं के अथक प्रयास से कार्यक्रम सफल रहा ।

आर्य स्त्री समाज आर्य समाज कलकत्ता के वार्षिकोत्सव पर महिला सम्मेलन के अवसर पर अपनी वयोवृद्ध सदस्याओं में से किसी एक सदस्या का सार्वजनिक अभिनन्दन करती है। इस वर्ष श्रीमती गीता रानी जायसवाल का अभिनन्दन किया गया । महिला सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ० प्रियंका

भारती जी ने की । इस वर्ष वार्षिकोत्सव के समय नई पीढ़ी को आगे लाने के उद्देश्य से बाल प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तर प्रतियोगितारखी गई थी जिसे सभा में उपस्थित सभी धर्म प्रेमियों ने काफी सराहा और यह दोनों ही कार्यक्रम अत्याधिक सफल रहा । दोनों ही कार्यक्रम में प्रथम तथा द्वितीय पुरस्कार प्रदान किये गये । कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी सदस्याओं को उनके अथक प्रयास एवं योगदान के लिये उपहार भेंट किया गया ।

अत्यधिक उपस्थिति के लिए श्रीमती नीलम प्रवीन, उर्मिला साव जी को पुरस्कार प्रदान किया गया तथा विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार पाने वाली सदस्याओं को भी पुरस्कृत किया गया ।

बाल सत्संग

बाल सत्संग—२६ जून २०११ से पं० नचिकेता भट्टाचार्य जी की प्रेरणा एवं आर्य स्त्री समाज कलकत्ता के सहयोग से बाल सत्संग पुनः प्रारम्भ हुआ । बाल सत्संग प्रत्येक रविवार को प्रातः ९.३० बजे से १२ बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के ऊपरी सभागार में चलता है । बाल सत्संग पं० वेद प्रकाशजी शास्त्री के सान्निध्य में चल रहा है जिसमें सन्ध्या, यज्ञ, भजन, मन्त्रपाठ, नैतिक शिक्षा तथा वैदिक सिद्धान्तों की शिक्षा प्रदान की जाती है । इसके अतिरिक्त बच्चों को ड्राइंग तथा वाद्य यन्त्रों के साथ भजन गायन का अभ्यास कराया जाता है । बाल सत्संग में ४०-५० बच्चे उपस्थित होते हैं । बाल सत्संग के संचालन में श्री कृष्ण कुमार जायसवाल, श्री शिवकुमार जायसवाल तथा श्री सुदेश जायसवाल सक्रिय सहयोग प्रदान करते हैं ।

पुस्तकालय एवं वाचनालय :—आर्य समाज मन्दिर में प्रवेश करते ही दक्षिण पार्श्व में समाज का अपना वाचनालय है जिसके खुलने का समय प्रातः ११ बजे से रात्रि ८ बजे तक है । वाचनालय में देश में प्रकाशित विभिन्न भाषाओं के समाचार पत्रों एवं सांस्कृतिक प्रत्रिकाओं के पठन-पाठन की सुव्यवस्था है ।

पुस्तकालय में सहस्त्रों पुस्तकें हैं । आर्य समाज कलकत्ता में आरम्भ से ही पुस्तकालय रहा है । इसमें महत्वपूर्ण पुस्तकें क्रय करके दी जाती रही हैं । पुस्तकालय में इच्छुक सदस्यों को स्वाध्यायार्थ पुस्तकें देने की भी व्यवस्था है ।

योग शिविर

आर्य समाज कलकत्ता में प्रतिदिन प्रात: ६ बजे से ७.३० बजे तक योग कक्षा का आयोजन पंतजलि योग समिति की श्रीमती मंजूश्री बनर्जी द्वारा लगाया जाता है ।

बंगला साहित्य प्रचार

आर्य समाज के सिद्धान्तों एवं वैदिक धर्म प्रचारार्थ आर्य समाज कलकत्ता द्वारा समय-समय पर बंगला पुस्तकों का प्रकाशन एवं वितरण किया जाता है । वैदिक अनुसन्धान ट्रस्ट द्वारा बंगला भाषा में **रामायण दर्पण** का प्रकाशन किया गया है । यह पुस्तक स्वामी ब्रह्ममुनि द्वारा हिन्दी में लिखी गई । इसका बंगला अनुवाद पं० सतीश चन्द्र मण्डल द्वारा किया गया ।

'आर्य संसार' मासिक पत्र

आर्य समाज कलकत्ता द्वारा आर्य संसार मासिक पत्र का प्रकाशन नियमित रूप से १९५९ ई० से अनवरत होता रहता है । इस पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य आर्य ऋषियों के ज्ञान को राष्ट्र एवं समाज के हर व्यक्ति तक पहुँचाना एवं अपने सहयोगियों से सम्पर्क स्थापन रखकर सैद्धान्तिक रूप में कुछ सेवा करना है ।

'आर्य गौरव' (बंग-भाषा) मासिक पत्र

बंग-भाषी क्षेत्रों में वैदिक सिद्धान्तों के व्यापक प्रचार व प्रसार हेतु तथा आर्य समाज की गतिविधियों को विस्तारित करने हेतु जनवरी २०१३ से अनवरत **'आर्य गौरव'** मासिक पत्र का बंगला-भाषा में प्रकाशन किया जा रहा है । इस पत्रिका का लोकार्पण प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु (अबोहर) जी के कर कमलों द्वारा हुआ था । इसके सम्पादक पं० वेदप्रकाश शास्त्री जी है ।

शैक्षणिक कार्य

वेद प्रचार व साहित्य प्रचार के साथ-साथ शिक्षा के प्रचार व प्रसार में आर्य समाज ने अद्वितीय कार्य किया है । आर्य समाज कलकत्ता द्वारा भी दो विशाल शिक्षण संस्थायें संचालित हो रही हैं ।

आर्य कन्या महाविद्यालय—आर्य समाज कलकत्ता ने सन् १९०२ में नाई टोला में कन्या विद्यालय खोला । १९०९ में कन्या विद्यालय का भवन खरीदा गया । २०नं० विधान सरणी में प्रसिद्ध आर्य कन्या महाविद्यालय का भवन बनवाया गया । भवन का स्वामी आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट है । इस समय आर्य कन्या महाविद्यालय के माध्यमिक विभाग में लगभग १७०० छात्राएँ एवं ४० अध्यापिकाएँ हैं । माध्यमिक विभाग की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष—श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, मन्त्री श्री मनीराम आर्य, श्रीमती लिपिका आदित्य (टीचर इन्चार्ज) तथा सदस्य श्री श्रीराम आर्य, श्रीमती सरोजिनी शुक्ला, डा० सुब्रत लाहिड़ी, डा० हरिशंकर ठाकुर, शिक्षक प्रतिनिधि श्रीमती सुमन सिंह, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, अभिभावक प्रतिनिधि—श्री सुजीत कुमार श्रीवास्तव एवं श्री किशोरी लाल हैं । सरकार द्वारा मनोनीत श्रीमती अरून्धती चौधरी Govt. Nominee है । सरकारी मान्यता प्राप्त Vocational Training की भी व्यवस्था है जिसमें ब्यूटिशियन, सिलाई आदि की शिक्षा दी जाती है तथा उत्तीर्ण छात्राओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाता है ।

आर्य कन्या महाविद्यालय में छत पर कमरे का निर्माण पोद्दार जी के दान से किया गया ।

आर्य कन्या महाविद्यालय (प्राथमिक विभाग)–आर्य कन्या महाविद्यालय प्राथमिक विभाग में २२ अध्यापिकाएँ एवं लगभग ५०० छात्राएँ हैं । इसमें शिशु से चतुर्थ श्रेणी तक शिक्षा दी जाती है। शिक्षा का माध्यम हिन्दी है । प्राथमिक विभाग की प्रबन्ध समिति में श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल अध्यक्ष, श्री मनीराम आर्य मन्त्री, श्रीमती रश्मि तिर्की (टीचर इन्चार्ज), सदस्य श्री दीपक आर्य, श्रीमती सरोजिनी शुक्ला, शिक्षक प्रतिनिधि श्रीमती नीता तलवार, अभिभावक प्रतिनिधि श्रीमती बबली शर्मा, श्री बिपुल राउत तथा वार्ड कांउसिलर श्रीमती साधना बोस हैं । माध्यमिक और प्राथमिक दोनों विभाग सरकारी सहायता प्राप्त है । दोनों विभागों में वैदिक शिक्षा दी जाती है ।

महर्षि दयानन्द एकेडमी – महर्षि दयानन्द एकेडमी की स्थापना चार वर्ष पूर्व हुयी । इसमें अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जाती है । छोटे बच्चों को Play group से Class - I तक ।

आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट–आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट कलकत्ता आर्य कन्या विद्यालय की उन्नति के लिए साथ ही महिलाओं में बहुविधि शिक्षा प्रचार करने की दृष्टि से २४ सितम्बर १९३६ ई० को आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट के नाम से रजिस्ट्री करायी गयी । इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य कन्या विद्यालय को अच्छी तरह संचालित करना है ।

वर्तमान में इस ट्रस्ट के आजीवन ट्रस्टी इस प्रकार हैं—श्री गजानन्द आर्य, श्री ओम प्रकाश मस्करा, श्री श्रीराम आर्य, श्री अच्छेलाल सेठ । आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट के प्रधान—श्री श्रीराम आर्य, मन्त्री—श्री अच्छेलाल सेठ, कोषाध्यक्ष — श्री दीपक आर्य हैं ।

आर्य कन्या महाविद्यालय

माध्यमिक परीक्षा - २०१७

कुल परीक्षार्थियों की संख्या - १४१
उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या - १३३
परीक्षाफल - ९५% प्रतिशत
विद्यालय में सर्वोच्च अंक पाने वाली छात्रा
सुष्मिता शर्मा - ५११/७००

उच्च माध्यमिक परीक्षा - २०१७

कुल परीक्षार्थियों की संख्या - १४१
उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या - २४७
परीक्षाफल - ९५% प्रतिशत
विद्यालय में सर्वोच्च अंक पाने वाली छात्रा
प्रीति सिंह (वाणिज्य) - ४३९/५००

रघुमल आर्य विद्यालय

इस विद्यालय की स्थापना १९३६ ई० में की गयी । इसका आरम्भिक नाम आर्य विद्यालय था। विद्यालय की वर्तमान प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री मनीराम आर्य, मन्त्री—श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, श्री राजीव सरकार (टीचर इन्चार्ज), सदस्य—श्री मनोज पोद्दार, श्री श्रीराम आर्य, श्री दीपक आर्य, डा० अजय आर्य, शिक्षक प्रतिनिधि श्री दिनेश सिंह, श्रीमती विनीता रोज कुजुर, अभिभावक प्रतिनिधि श्री सुनील सिंह, श्री सुरेश दास हैं । सरकार द्वारा मनोनीत श्रीमती अरुन्धती चौधरी हैं ।

इस समय विद्यालय में लगभग १००० छात्र एवं १९ अध्यापक हैं । श्री राजीव सरकार टीचर इन्चार्ज हैं ।

माध्यमिक परीक्षा - २०१७

कुल परीक्षार्थियों की संख्या - ७९
उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या - ४९
विद्यालय में सर्वोच्च अंक पाने वाली छात्र
राजु गुप्ता - ४३८/७००

उच्च माध्यमिक परीक्षा - २०१७

कुल परीक्षार्थियों की संख्या - २५०
उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या - ७१
विद्यालय में सर्वोच्च अंक पाने वाली छात्र
विकास प्रसाद - ३७७/५००(कामर्स)

रघुमल आर्य विद्यालय (प्राथमिक विभाग)

प्राथमिक विभाग में इस समय लगभग ४०० छात्र एवं ८ अध्यापक हैं । विद्यालय ७४, आमहर्स्ट रो में दिन के समय एवं ३३ सी, मदन मित्र लेन में प्रातः चलता है । माध्यमिक एवं प्राथमिक दोनों

विभाग को सरकारी सहायता प्राप्त हैं । दोनों विभाग में वैदिक धर्म की शिक्षा दी जाती है । प्राथमिक विभाग के प्रबन्ध कार्यकारिणी के अध्यक्ष—श्री ध्रुवचन्द जायसवाल, मन्त्री श्री दीपक आर्य सदस्य—श्री मदन लाल सेठ, श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, प्रधानाध्यापक—श्री आर.पी. ओझा शिक्षक प्रतिनिधि—श्री सियाराम तिवारी, अभिभावक प्रतिनिधि श्री अजित कुमार शर्मा, श्रीमती गुंजा चौरसिया, वार्ड काउन्सिलर—श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता हैं ।

आर्य विद्यालय ट्रस्ट

विद्यालय का वर्तमान भवन जो ३३, सी, मदन मित्र लेन में हैं, उसको इस स्वरूप में लाने का श्रेय जहाँ आर्य विद्यालय ट्रस्ट के उत्साही सदस्यों को है वहीं इसमें रघुमल चैरिटी ट्रस्ट के आदर्श दान का बड़ा महत्व है, जो सेठ किशनलाल पोद्दार की सूझ-बूझ एवं दूरदर्शिता से सम्भव हो सका था। आर्य विद्यालय ट्रस्ट के वर्तमान ट्रस्टी हैं — (१) श्री श्याम सुन्दर सांगनेरिया, (२) श्री मनोज पोद्दार, (३) श्री सुवीर पोद्दार (४) श्री रवि पोद्दार, (५) श्री श्रीराम आर्य, (६) श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, (७) श्री दीपक आर्य, (८) श्री अमर सिंह सैनी (९) श्री अनिरुद्ध पोद्दार ।

आर्य समाज कलकत्ता द्वारा वर्ष भर आयोजित किये गये कार्यक्रमों की सूची

दिनांक ५ अप्रैल २०१७ को **''रामनवमी पर्व''** आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी में मनाया गया । कार्यक्रम का आरम्भ यज्ञ के द्वारा किया गया, इसके पश्चात् एक गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें वक्ता थे पं० आत्मानन्द शास्त्री, पं० कृष्णदेव मिश्र एवं पूर्व प्रधान मनीराम आर्य । इस कार्यक्रम का सफल संचालन मन्त्री श्री दीपक आर्य ने किया । वक्ताओं द्वारा मर्यादा पुरुषोतम श्रीराम के दिव्य चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन को दृष्टान्त मानकर उससे प्रेरणा लेने की आवश्यकता पर जोर दिया । श्री मनीराम आर्य ने वाल्मीकि रामायण की घटनाक्रमानुसार विस्तारपूर्वक व्याख्या से सबका मन मोह लिया और अपने ओजस्वी वाणी से राम की सार्थकता प्रस्तुत की ।

(२) आध्यात्मिक महिला सत्संग :- सुश्री अंजलि आर्या (करनाल) के तत्वावधान में आर्य स्त्री समाज द्वारा १९ अप्रैल से २३ अप्रैल तक अपराह्न ३-०० बजे से ५-०० बजे तक आध्यात्मिक महिला सत्संग का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में पारिवारिक समस्याओं और उसके निदान पर अपने विचारों द्वारा श्रोताओं को प्रभावित किया ।

(४) बंगाल में तृतीय आर्य पुरोहित प्रशिक्षण शिविर :- आर्य समाज कलकत्ता, आर्य समाज बड़ाबाजार, आर्य समाज हावड़ा, भवानीपुर आर्य स्त्री समाज, आर्य समाज आसनसोल द्वारा स्व० पं० ओमप्रकाश विद्यावाचस्पति की स्मृति में एक विशाल आर्य पुरोहित प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी, कोलकाता-६ में २८ मई से ४ जून २०१७ तक किया गया। शिविर में बंगाल के ६५ आर्यसमाजों के ९४ प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया । श्री सुधीर अहुजा, श्रीमती सुषमा गोयल एवं श्री श्रद्धानन्दजी अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा ।

(५) **श्रावणी उपाकर्म एवं वेद प्रचार सप्ताह :-** प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में श्रावणी पर्व एवं वेद प्रचार सप्ताह ७ अगस्त से १४ अगस्त २०१७ पर्यन्त

हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । इस अवसर पर प्रतिदिन प्रातः ७ बजे से ९.३० बजे तक यजुर्वेद पारायण यज्ञ आचार्य पं० देशराज जी सतेच्छु (भरतपुर - राजस्थान) के ब्रह्मत्व में सम्पन्न हुआ । ऋत्विक्गण के रूप में वेद पाठ कर रहे थे—प० आत्मानन्द शास्त्री, पं नचिकेता भट्टाचार्य, पं० देव नारायण तिवारी, पं० वेद प्रकाश शास्त्री, पं० कृष्णदेव मिश्र, पं० योगेशराज उपाध्याय, एवं पंडिता अर्चना शास्त्री । प्रथम दिन श्रावणी पर्व के अवसर पर यज्ञ पर उपस्थित समस्त आर्य जनों ने नवीन यज्ञोपवीत धारण किया । सायंकाल प्रतिदिन ७ बजे से ७.३० बजे तक यज्ञ, ७.३० बजे से ८ बजे तक पं० अपूर्व देवशर्मा जी द्वारा भजन एवं ८ बजे से ८.४५ बजे तक आचार्य पं० देशराज जी सतेच्छु द्वारा वेद कथा के अन्तर्गत व्याख्यान एवं प्रवचन आयोजित हुये । १४ अगस्त २०१७ को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सायंकाल ७ बजे से ९ बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में मनाया गया जिसमें पं० अपूर्व देवशर्मा जी द्वारा भजन, श्री मनीराम आर्य जी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये ।

रक्तदान शिविर :- आर्य समाज कलकत्ता (युवा शाखा) द्वारा रविवार १९-११-२०१७ को आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें कुल ३५ लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया ।

विजय दशमी पर्व :- आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में रविवार दिनांक १ अक्टूबर २०१७ को रविवारीय सत्संग के अवसर पर विजय दशमी पर्व मनाया गया । इस अवसर पर यज्ञ, भजन के अतिरिक्त, पं० योगेशराज उपाध्याय, श्री मनीराम जी आर्य, पं० देवव्रत तिवारी, पं० देवनारायण तिवारी, आर्य समाज कलकत्ता के पूर्व प्रधान श्री श्रीराम आर्य एवं मुम्वई से पधारे वैदिक विद्वान् आचार्य डॉ सोमदेव शास्त्री जी ने विजय दशमी पर्व की महत्ता तथा मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के जीवन में इस पर्व का महत्व एवं विजयदशमी पर्व मनाने की परम्परा पर विस्तार से इन सभी विद्वानों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये ।

दुर्गापूजा पर प्याऊ एवं आर्ष साहित्य स्टॉल :- बंगाल में दुर्गापूजा प्रमुख त्योहार के रूप में मनाया जाता है । इस अवसर पर आर्य समाज कलकत्ता द्वारा सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी को जहाँ पूजा भ्रमणार्थियों के लिए स्वच्छ जलछत्र (प्याऊ) का स्टॉल भी लगाया गया वहीं वैदिक प्रचार-प्रसार हेतु वैदिक साहित्य का स्टॉल लगाया गया । जिसमें शुद्ध पेय जल का वितरण किया गया । जहाँ साहित्य प्रेमियों एवं धर्म जिज्ञासुओं ने अच्छी संख्या में वैदिक साहित्य को क्रय किया ।

स्वामी विवेकानन्द परिव्राजक जी के सान्निध्य में व्याख्यानमाला का आयोजन:-६,७ व ८ अक्टूबर को प्रतिदिन सायं ७.३० बजे से ९ बजे तक ईश्वर, जीव एवं प्रकृति विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन आर्य समाज कलकत्ता में स्वामी विवेकानन्द परिव्राजक जी के पावन सान्निध्य में हुआ ।स्वामी जी ने इन तीनों अनादि सत्ताओं के बारे में वेद एवं दर्शनों के आधार पर अत्यन्त सरल व्याख्यान प्रस्तुत किया । इसके अतिरिक्त शंका-समाधान द्वारा जिज्ञासुओं की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया ।

दीपावली पर्व एवं महर्षि निर्वाण दिवस :- दीपावली पर्व एवं महर्षि निर्वाण दिवस दिनांक

१९-१०-१७ को मनाया गया ।

(१३) आर्यसमाज कलकत्ता का १३२ वाँ वार्षिकोत्सव :- आर्यसमाज कलकत्ता का १३२ वां वार्षिकोत्सव शनिवार दिनांक २३-१२-२०१७ से रविवार दिनांक ३१-१२-२०१७ पर्यन्त **''ऋषिकेश पार्क''** में समारोह पूर्वक मनाया गया । इस अवसर पर आचार्य सोमदेव जी (अजमेर) के ब्रह्मत्व में सामवेद यज्ञ संपन्न हुआ । शनिवार दिनांक २३-१२-२०१७ को दोपहर २-०० बजे से सायं ५:०० बजे तक एक विशाल एवं सुसजजित शोभायात्रा आर्य समाज कलकत्ता से निकाली गयी ज़ो विभिन्न मार्गों से होती हुयी समारोह स्थल ''ऋषिकेश'' पार्क में समाप्त हुयी । कलाकार स्ट्रीट पहुँचने पर शोभायात्रा का माला द्वारा भव्य स्वागत एवं पेयजल, शर्बत की व्यवस्था समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री शीतल प्रसाद जी के प्रेरणा से विश्व हिंदू परिषद द्वारा की गई । विश्व हिंदू परिषद को हार्दिक धन्यवाद।''सत्यनारायण पार्क के पास शोभायात्रा का स्वागत संतरे वितरण के साथ आर्य समाज बड़ाबाजार द्वारा की गई । आर्य समाज बड़ाबाजार को हार्दिक धन्यवाद । शोभायात्रा के पहुँचने के पश्चात पार्क में आर्य कन्या महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा बहुत ही सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । उत्सव पर यज्ञ, भजन व प्रवचन के अतिरिक्त बालक सत्संग, राष्ट्ररक्षा सम्मेलन, महिला सम्मेलन, स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस, आर्य संस्कृति सम्मेलन, वेद सम्मेलन तथा शंका समाधान का विशेष रूप से आयोजन हुआ। प्रत्येक दिन प्रातः १०:३० से १२:०० बजे एवं अपराह्न ३ बजे से ५ बजे तक बंगभाषा में कार्यक्रम हुआ, जिसमें बंगाल के वैदिक विद्वानों के अतिरिक्त गुरुकुल के ब्रह्मचारी एवं ब्रह्मचारिणियों के भी कार्यक्रम हुए । ३१ दिसम्बर २०१७ को अपराह्न १-३० बजे से आयोजित ऋषि लंगर में हजारों लोगों ने अंश ग्रहण किया । इस अवसर पर लिलुआ गेडिया गुरुकुल के ब्रह्मचारिणियों द्वारा आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया ।

वार्षिकोत्सव के अवसर पर यजुर्वेद-भाष्य का बंगला भाषा में विमोचन :- प० बंगाल के राज्यपाल महामहीम श्री केशरीनाथ जी त्रिपाठी द्वारा यजुर्वेद-भाष्य का बंगला भाषा में विमोचन २५ दिसम्बर २०१८ को किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य सोमदेव जी (अजमेर) ने की । यजुर्वेद भाष्य का बंगला अनुवाद श्री पं० सतीश चन्द्र मण्डल ने किया । आर्य कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया ।

वार्षिकोत्सव में महामहिम राज्यपाल मेघालय श्री गंगा प्रसाद जी का सार्वजनिक अभिनन्दन :- ३० दिसम्बर २०१७ को सांय ७ बजे किया गया । कलकत्ता के सभी आर्य समाजां के अधिकारियों एवं विद्वानों ने महामहिम का अभिनन्दन किया । इस अवसर पर आर्य समाज कलकत्ता के आदरणीय विद्वान् श्री पं० देवनारायण तिवारी द्वारा रचित हिन्दी काव्य श्री कृष्ण चरित मानस का विमोचन महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद जी द्वारा किया गया । अन्तिम दिन ३१ दिसम्बर को १.३० बजे ऋषि लंगर का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने अंश ग्रहण किया । इस अवसर पर लिलुआ गेड़िया गुरुकुल के ब्रह्मचारियों द्वारा आकर्षक कार्यक्रम पेश किया । सांय ६.३० बजे से स्वामी श्रद्धानन्द जी के जीवन पर आधारित एक वृत चित्र **''आह्वान''** का प्रदर्शन किया गया । अन्त में मन्त्री श्री दीपक आर्य जी ने समस्त

सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया ।

प्रकाशन :- इस वर्ष ५००० पीस वैदिक कर्मकाण्ड का पुन: प्रकाशन किया गया । इस पुस्तक को छपवाने में श्री सुवीर पोद्दार जी का आंशिक सहयोग प्राप्त प्राप्त हुआ ।

(१४) नि:शुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर :- युवा शाखा द्वारा आयोजित ३१वाँ नि:शुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर रविवार दिनांक १४-०१-२०१८ को सम्पन्न हुआ । जिसमें कुल ४१ असहाय, निराश्रित एवं निर्धन व्यक्तियों के मोतियाविन्द का आपरेशन नगर की सुप्रसिद्ध नेत्र सर्जन डा० रजनी सर्राफ एवं उनकी मेडिकल टीम के सान्निध्य में उनके चेम्बर ४ बी, लिटिल रसल स्ट्रीट में सम्पन्न हुआ। शिविर सचिव विवेक जायसवाल एवं शिविर इन्चार्ज कृष्णा जायसवाल थे । रोगियों को नि:शुल्क दवा एवं चश्मा भी वितरण किया गया ।

(१५) गंगासागर मेले में वेद प्रचार :- गंगासागर मेले में देश के विभिन्न भागों से आए हुए तीर्थ यात्रियों के बीच में कोलकाता के बाबूघाट पर स्थित आउटराम घाट पर दिनांक १० जनवरी से १७ जनवरी २०१७ तक प्रचार का कार्य हुआ ।

(१६) पुस्तक मेले में प्रचार :- बंगाल में वैदिक साहित्य का प्रचार करने हेतु कोलकाता शहर में आयोजित (४२वाँ) अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल एवं आर्य रामाज बड़ाबाजार, आर्य समाज आसनसोल के प्रयासों से वैदिक साहित्य का स्टॉल नं० ४७१ गेट नं० ३१ दिनांक ३१-०१-१८ से ११-०२-१८ तक लगाया गया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, श्री वीरेश कुमार आर्य का विशेष योगदान रहा ।

आर्य समाज कलकत्ता द्वारा सिलीगुड़ी में पुस्तक का आयोजन :- २३ फरवरी १८ से ४ मार्च १८ तक लगाया गया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, श्री वीरेश कुमार आर्य का विशेष योगदान रहा ।

(१७) बसन्तोत्सव :- रविवार २२ जनवरी २०१८ को आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में सत्संग के उपरान्त बसन्त पंचमी का उत्सव मनाया गया ।

(१८) महर्षि महिमा पर्व :-कोलकाता एवं हावड़ा की समस्त आर्यसमाजों की ओर से महर्षि महिमा पर्व १० फरवरी से १४ फरवरी २०१८ तक आर्यसमाज हावड़ा के संयोजकत्व में मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य चन्द्रदेव जी द्वारा आर्य समाज हावड़ा में प्रतिदिन प्रात: यज्ञ एवं प्रवचन तथा आर्य समाज कलकत्ता में प्रतिदिन सायं ७.३० बजे से ८ बजे तक श्री श्यामानन्दजी द्वारा भजन एवं ८ बजे से ८.४५ तक आचार्य चन्द्रदेव शास्त्री जी द्वारा महर्षि स्वामी दयानन्द जी के कार्यो एवं अवदानों पर विस्तार से चर्चा की । दिनांक १४ फरवरी को सायं ४ बजे से हावड़ा के सलकिया अवस्थित श्री राम वाटिका में ऋषि बोधोत्सव के अवसर पर बहुकुण्डीय व बहुपारिवारिक यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ का संचालन आचार्य राहुलदेव शास्त्री जी ने किया । इस अवसर पर आर्य परिवार अपने अपने यज्ञ कुण्ड के साथ बहुकुन्डीय यज्ञ हेतु उपस्थित हुए । यज्ञ के उपरान्त आचार्य चन्द्रदेव जी की अध्यक्षता में एक सभा का आयोजन हुआ जिसमें पं० वेदप्रकाश शास्त्री, पं० वेदभानु

जी, पं० देवव्रत तिवारी, आचार्य राहुलदेव शास्त्री, प० देवनारायन तिवारी, तथा आचार्य चन्द्रदेव शास्त्री जी ने महर्षि के अवदानों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये । कार्यक्रम के अन्त में प्रीतिभोज का आयोजन हुआ ।

(१९) ऋषि जन्मोत्सव :- फाल्गुन कृष्ण दशमी १० फरवरी २०१८ को महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का जन्म दिवस सायं ६ बजे से ९ बजे तक आर्य समाज मन्दिर में मनाया गया । इस अवसर पर यज्ञ के उपरान्त श्री श्यामानन्द जी ने भजन प्रस्तुत किया तथा महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जीवन एवं उनके अवदानों पर प्रकाश डाला ।

(२०) वासन्तीय नवसस्येष्टि यज्ञ - आर्यसमाज कलकता में १ मार्च २०१८ को सायं ४ बजे से नवसस्येष्टि यज्ञ (होलिकोत्सव) मनाया गया । जिसमें प० देवनारायण तिवारी जी द्वारा नवसस्येष्टि यज्ञ सम्पन्न करवाया गया । तदुपरान्त आयोजित सभा में प० कृष्णदेव शास्त्री, पं० देवव्रत तिवारी, श्री श्रीराम आर्य, श्री चाँदरतन दम्माणी तथा पं० देवनारायण तिवारी जी द्वारा होलिकोत्सव के वास्तविक स्वरूप का विशद वर्णन किया तथा कविता पाठ भी हुए ।

(२१) शुद्धि, तिलक एवं विवाह संस्कार :- इस वर्ष आर्य समाज मन्दिर में हमारे योग्य पुरोहितों द्वारा ९ शुद्धि संस्कार, १ तिलक, ३९ विवाह संस्कार एवं १ प्रीतिभोज, १ जन्मदिन समारोह, ३१ शांति यज्ञ एवं १ उपनयन संस्कार सम्पन्न कराये गये ।

शोक-प्रस्ताव

(अप्रैल २०१७ से मार्च २०१८ तक)

१. श्री शम्भूनाथ जायसवाल ।

२. डा० धर्मपाल आर्य ।

३. श्री सत्यनारायन लाहोटी ।

४. श्री मोहन साव ।

५. श्री जगन्नाथ साव ।

६. श्री श्याम सुन्दर सांगनेरिया ।

स्थिर निधियाँ

बैंक ऑफ बड़ौदा, कालेज स्ट्रीट शाखा, कोलकाता-६

विद्यार्थी सहायता, महिला सहायता, अतिथि सत्कार, वार्षिकोत्सव और वैदिक विद्वानों आदि के सहायतार्थ निम्न दानीदाताओं से दान स्वरूप आर्य समाज कलकत्ता को सहयोग मिला जिसके ब्याज से प्रति वर्ष सहायता की जाती है।

(१) वैदिक प्रचारक सहायता कोष:

	रु०
१. आर्य समाज कलकत्ता	२,००,०००/-
२. स्व० देवी प्रसाद मस्करा	११,०००/-
३. श्रीमती शान्ति देवी जायसवाल	५,०००/-
४. श्रीमती एवं श्री रामधनी जायसवाल	५,१००/-
५. श्रीमती वेदवती शास्त्री एवं श्री कुशलदेव शास्त्री	१००,०००/-
	३,२१,१००/-

(२) प्रकाशन कोष:-

समाज में नई पुस्तकों की छपाई आदि के लिए आर्य समाज कलकत्ता ने २,७५,५००/- का स्थिर निधि करवाया है जिसके ब्याज की राशि से प्रकाशन का कार्य चल रहा है। निम्न दानी दाताओं का सहयोग है।

आर्य समाज कलकत्ता	२,५०,०००/-
श्रीमती रामदेवी गुप्त	१०,५००/-
श्री रमेशचन्द गुप्त	५०००/-
मास्टर करण गुप्त	५०००/-
मास्टर सिद्धार्थ गुप्त	५०००/-
	२,७५,५००/-

(३) दयानन्द धर्मार्थ औषधालय कोष:-

निम्न दानी दाताओं ने अपना सहयोग देकर औषधालय को सुचारू रूप से चलाने का व्रत लिया है। जिसके ब्याज से होमियोपैथिक, आयुर्वेदिक, नेत्र परीक्षण, आदि चल रहे हैं।

१. श्रीमती शान्ति प्रसाद	५,०००/-
२. श्रीमती हौसला देवी तिवारी	२०,०००/-
३. श्री सत्यदेव चोपड़ा/श्रीमती विजय चोपड़ा	५,०००/-
४. श्री शिवनन्दन प्रसाद	१५,०००/-
५. श्री के० सी० सिंह	२,५००/-
६. श्री छबील दास सैनी	५,०००/-
७. श्री विजय कुमार सैनी	१०,०००/-
८. श्रीमती एवं श्री लक्ष्मण सिंह	१०,०००/-
९. श्रीमती कमला अरोड़ा	५,०००/-
१०. श्रीमती शान्ति देवी गुप्ता	५,१००/-
११. श्री दीपक गोयल	५,०००/-
१२. आर्य समाज कलकत्ता	१५,१००/-
१३. श्री आशा राम जायसवाल	१०,०००/-
१४. सूरजमल घीया HUF	५,१००/-
१५. श्रीमती जानकी देवी झा	५,०००/-
१६. श्री प्रणव भट्टाचार्य	५,०००/-
१७. श्रीमती गीतारानी जायसवाल	११,०००/-
कुल योग	१,३८,८००/-

(४) गौरक्षा एवं गौसंवर्धन हेतु दान स्थिर निधि के लिए जिसके ब्याज से गोशाला एवं गुरुकुल के बच्चों की सहायता के लिए प्राप्त हुआ है।

१. श्री सतीश चन्द जायसवाल	५०००/-
२. श्री बजरंगलाल, श्रीमती विजय लक्ष्मी अग्रवाल	५०००/-
३. श्रीमती उमा एवं महावीर प्रसाद गोयल	५१००/-
४. श्रीमती शान्ति देवी एवं श्री दीनदयाल गुप्ता	५०००/-
५. श्रीमती कमलादेवी एवं श्रीकमला प्र० जायसवाल	५१००/-
६. श्रीमती निधि एवं श्री योगेन्द्र दमानी	५०००/-
७. श्रीमती राजू देवी, श्री श्याम अवतार शर्मा	५१००/-
८. श्री कमला प्रसाद जायसवाल	५१००/-
९. ब्रह्मर्षि स्वामी ओमानन्द सरस्वती	५०००/-
१०. श्री मोती लाल साव	५०००/-
११. श्रीमती प्रवीणा जायसवाल	५०००/-
१२. श्री प्रमोद जायसवाल	५०००/-
१३. श्रीमता चमेली देवी जायसवाल द्वारा स्व० रामवहाल जायसवाल की पुण्य स्मृति म	११,००१/-
१४. श्रीमती सुनीता अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल	५,०००/-
१५. श्रीमती नीलम सेठ एवं डा० अरविन्द सेठ	५,००१/-
	८१,४०२/-

(५) पं० रमाकान्त उपाध्याय स्मृति कोष–

श्री हरनारायण तापड़िया द्वारा ६०,०००/- का स्थिर निधि किया गया है जिसके व्याज से आर्य कन्या महाविद्यालय, रघुमल आर्य विद्यालय एवं पं० रमाकान्त उपाध्याय के ग्राम या जिले में माध्यमिक या उच्च माध्यमिक परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र/छात्रा को १०००/- प्रति छात्र/छात्रा कुल ५०००/- प्रति वर्ष दिया जा रहा है।

(६) वेद वेदांग पुरस्कार :-

श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल	५१,०००/-

(७) बाल पुरस्कार :-

श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल	२१,०००/-

(८) स्वास्थ्य एवं जनकल्याण कोष :-

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग हुआ है। सब राशि को मिलाकर एक स्थिर निधि बनवायी गयी है।

१. आर्य समाज कलकत्ता	६०,०००/-
२. श्री बद्री प्रसाद पोद्दार	५०,०००/-
३. श्री रामसुन्दर जायसवाल	६,०००/-
४. श्री रूपेश कुमार जायसवाल	२,५००/-
	१,१८,५००/-

(९) विद्यार्थी सहायता कोष :-

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ जिससे सब मिलाकर १,५०,०००/- की एक स्थिर निधि बनाई गई जिसके ब्याज से जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहायता दी जाती है।

१. श्री नन्दलाल सेठ	५,०००/-
२. श्री सीताराम आर्य	२१,०००/-
३. श्रीमती पुष्पा देवी मल्होत्रा	५,०००/-
४. श्रीमती गंगा देवी जायसवाल	५,०००/-
५. श्री जगन्नाथ कोले	१५,०००/-
६. श्री बनारसीदास अरोड़ा	५,०००/-
७. श्रीमती मायादेवी	५,०००/-
८. श्री राजाराम धनपति देवी जायसवाल	१०,०००/-
९. श्री मेवालाल सुरेशचन्द	१०,०००/-
१०. श्री रूलिया राम गुप्त	११,०००/-
११. श्रीमती एवं श्री लक्ष्मण सिंह	५,०००/-
१२. श्रीमती सुनीति देवी शर्मा	५,०००/-
१३. श्रीमती विद्यावती सभरवाल	१५,०००/-
१४. श्रीमती विद्यावती नन्दगोपाल दत्त	१२,०००/-
१५. श्री शिवनन्दन प्रसाद	५,०००/-
१६. श्रीमती सावित्री देवी जायसवाल	५,०००/-
१७. श्रीमती सावित्री देवी अरोडा	५,०००/-
१८. श्री सत्यनारायण गुलाबी देवी लाहोटी	५,०००/-
१९. आर्य समाज कलकत्ता	१,०००/-
	१,५०,०००/-

(१०) गुरुकुल सहायता कोष :-

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ जिससे सब मिलाकर २,३६,०००/- की एक स्थिर निधि बनाई गई जिसके ब्याज से गुरुकुलों को सहायता दी जाती है।

(१) श्री शान्तिस्वरूप गुप्ता	११,०००/-
(२) श्री सीताराम आर्य एवं केवलादेवी आर्य	१०,०००/-
(३) श्री के० सी० सिंह	५,०००/-
(४) श्री मेवालाल पार्वती देवी जायसवाल	१०,०००/-
(५) श्री ब्रिजमोहन ओबेराय	५,०००/-
(६) आर्य समाज कलकत्ता	१,९५,०००/-
(७) श्री प्रणव भट्टाचार्य	५,०००/-
	२,४१,०००/-

(११) वेद प्रचार कोष :-

इस कोष में निम्न दाताओं का सहयोग रहा।

१. श्री शिवनन्दन प्रसाद	१०,०००/-
२. श्री लब्बू राम सोदपुर	१,०००/-
३. आर्य समाज कलकत्ता	२,००,०००/-

४. स्व० माता ओमवती अग्रवाल की पुण्य स्मृति में उनके परिवार के सज्जनों ने दान देकर स्थिर निधि बनवायी। जो **इलाहावाद बैंक** शाखा **कालेज स्ट्रीट** में है।

	१,००,०००/-
५. श्री प्रणव भट्टाचार्य	५,०००/-
	३,१६,०००/-

(१२) हवन यज्ञ कोष :-

१. श्रीमती कमला देवी आर्या	११,०००/-
२. श्री मोतीलाल जायसवाल एवं श्रीमती यदूराजी देवी	१०,०००/-
३. श्री अच्छेलाल सेठ	१५,०००/-
४. श्री विजय कुमार सेठ	१५,०००/-
५. श्री अजय सेठ	१०,०००/-
६. श्री विकास सेठ	११,०००/-
७. श्री फूलचन्द जी आर्य	२५,०००/-
८. श्रीमती रामदुलारी जायसवाल	५,०००/-
९. श्रीमती गुलाबी देवी लाहोटी	१,७१,०००/-
१० श्री प्रणव भट्टाचार्य	५,०००/-
	२,७८,०००/-

(१२) जल पेय कोष :-

श्री रमेश दम्मानी ने प्याऊ को सुचारु रूप से चलाने के लिए ५०००/- की स्थिर निधि करवाया है।

(१४) अतिथि सत्कार कोष :-

समाज में आने वाले अतिथियों के सत्कार के लिए निम्न दाताओं द्वारा सहयोग राशि प्राप्त हुआ है कुल मिलाकर ३२,०००/ रु०की स्थिर निधि बनवायी गयी है ।

१. श्रीमती सुखा देवी जायसवाल द्वारा श्री लक्ष्मीकान्त जायसवाल	२१,०००/-
२. श्रीमती कमला अरोड़ा	६,०००/-
३. आर्य समाज कलकत्ता	५,०००/-
	३२,०००/-

(१५) वार्षिकोत्सव कोष :-

वार्षिकोत्सव के खर्च के लिए निम्न दाताओं ने सहयोग दिया जिससे कुल मिलाकर १,५०,०००/- रु० की स्थिर निधि बनवायी गयी ।

१. श्रीमती सरोज आहुजा	१०,०००/-
२. श्री बनारसी दास अरोड़ा	१०,०००/-
३. आर्य समाज कलकत्ता	१०,०००/-
४. श्रीमती शकुन्तला अरोड़ा	५,०००/-
५. श्री जय सिंह कर्षन	५,०००/-
६. श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी	५,०००/-
७. श्रीमती शान्ती देवी जायसवाल पत्नी-स्व॰ रामयश जायसवाल	५,०००/-
८. श्रीमनी मधु अग्रवाल एवं श्री प्रशान्त अग्रवाल	१,००,०००/-
	१,५०,०००/-

(१६) महिला कल्याण कोष :-

महिलाओं की सहायता के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ है । सब राशि को मिलाकर २,९२,१००/- रु० की स्थिर निधि बनाई गई है ।

१. श्रीमती केकनवती बंसल	१,००,०००/-
२. आर्य समाज कलकत्ता	५०,०००/-
३. श्री ईश्वरचन्द्र आर्य	११,०००/-
४. श्रीमती महारानी जायसवाल	५,१००/-
५. श्रीमती गोमती देवी अग्रवाल	१००,०००/-
६. श्री मनीराम आर्य	२१,०००/-
६. श्रीमती गीतारानी जायसवाल	५,०००/-
	२,९२,१००/-

इलाहाबाद बैंक

१. **आर्य स्त्री समाज** के नाम पर सदस्याओं द्वारा प्राप्त राशि और इससे प्राप्त ब्याज की राशि से २,४०,०००/- की स्थिर निधि बनवायी गयी । जो वर्ष २०१८ मार्च तक का ब्याज जोड़कर ३,२२,९७२/- हो गया है ।

२. **वार्षिकोत्सव**
श्रीमती शान्ती देवी जायसवाल द्वारा ५०००/-

४. स्व० श्रीमती गुलावी देवी लाहौटी की स्मृति में ३४,१००) की स्थिर निधि यज्ञ में केशर डालने के लिए किया गया है ।

५. गुरुकुल सहयोग के लिए श्री मोतीलाल साव, श्रीमती जदुराजी देवी साव द्वारा १०,०००/- की स्थिर निधि कराई गई ।

For **V.D. GARG & CO.**
Chartered Accountants

॥ ओ३म् ॥

33/1, NETAJI SUBHAS ROAD
Marshall House, Suite No. 637/638
Kolkata - 700 001
(Off.) : 2230 5947
(Mob.) : 98310 18384

FORM NO. 10B
(See Rule 17B)

AUDIT REPORT UNDER SECTION 12A (b) OF THE INCOME TAX ACT-1961 IN THE CASE OF CHARITABLE OR RELIGIOUS TRUST OR INSTITUTION

We have examined the Balance Sheet of **ARYA SAMAJ CALCUTTA** as at 31st March, 2018 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the Trust.

We have obtained all the information and explanation which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the audit. In our opinion, proper books of account have been kept by the above named trust visited by us so far as appears from our examination of the books, subject to the comments given below :-

In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, the said accounts give a true and fair view :-

1. In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the above named Trust, as at 31st March, 2018 and

2. In the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus of its accounting year ending on 31st March, 2018.

The prescribed particulars are annexed hereto.

33/1, N.S. ROAD
KOLKATA - 700 001

DATE : THE 18TH DAY OF JUNE, 2018

For **V.D. GARG & CO.**
Chartered Accountants
(VISHAMBER DAYAL GARG)
Proprietor
MEM.NO. 050131

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2018

Liabilities		Assets :	
GENERAL FUND		*FIXED ASSETS*	31,92,832-35
Balance as per last year	64,31,431-96	(As per schedule No. 1)	
ADD: Excess of income over		ADVANCES AMOUNT	1,11,565-11
		(As per schedule No. 2)	
expenditure	1,10,765-17	CLOSING BALANCE	14,87,041-00
	65,42,197-13	As per schedule No. 3)	
COURPUS FUND		SUNDRY DEPOSITS	84,674-00
As per last year	7,84,000-00	(As per schedule No.4)	
OTHER LIABILITIES		CASH AND BANK BALANCES	31,60,799–84
(As per schedule 6)	6,78,715-17	(As per schedule No. 5)	
Deposits : (As per schedule 7)	32,000-00		
	80,36,912-30		80,36,912-30

INCOME & TAX COMPUTATION STATEMENT

ASST. YEAR 2018-2019

Total Income/Receipts		49,49,093-00
Total Funds Applied		
Less : Expenses during the period as per		
Income and Expenditure Account	48,38,328-00	
Less : Depriciation	1,75,122-00	46,63,206-00
		2,85,887-00
Less : Application of Funds (Assets Purchased)		
CCTV		1,900-00
Less: Exempted 15% of the total income 7,42,364-00 Rest. to		2,83,987-00
		2,83,987-00
	TAX	NIL
	Less: T.D.S.	4,275-00
	Refundable	4,275 -00

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2018

Expenditure		Income	
To Salaries	2.07.418-00	By Monthly Subscription	52.763-00
To Retirement Provision	2.400-00		
To Printing & Stationery	14.521-00		
To Telephone expenses	2.247-00		
To Building upkeep expenses	5.62.993-00	By Donation	46.51.728-00
To Postage & telegram expenses	2.426-00	(As per schedule 11)	
To Depreciation (As per schedule 1)	1,75.122-00		
ToTravelling & Conveyance expenses	7.820-00		
To Miscelleaneous expenses	49.922-00		
To Dayanand dharmarth aushadhalaya	1.08.361-00		
To Vachanalaya expenses	5.226-00		
To Vaidic Sahitya Prachar (As per schedule 8)	2.32.579-00	By Bank Interest	2.44.602-11
To Arya Sansar publication expenses	97.774-00	(As per Schedule 12)	
To Arya Gaurav Publication Exp.	20.417-00		
To Student help expenses	11.220-00		
To Festival expenses	1.83.754-00		
To Atithi satkar expenses	9.016-00		
To Dashansh expenses	5.276-00		
To Atithishala expenses	68.322-00		
To Repairing expenses	2.744-00		
To Daily hawan yagna expenses	91.492-00		
To Mahila kalyan expenses	78,522-00		
To Ved prachar expenses	77.988-00		
To Hawan samagree expenses (As per schedule 9)	13.11.476-00		
To Bank charges	1.071-00		
To Electric expenses	2.67.157-94		
To Annual function (As per schedule 10)	9.09.568-00		
To Gurukul sahayata expenses	45.094-00		
To Annual Election	12.748-00		
To Legal expenses	2.000-00		
To Accounting Charges	40.582-00		
To Bal Kalyan Exp.	19,310-00		
To Desh Bhakti Geet Pratiyogita expenses	25.000-00		
To Vaidic Pracharak Sahayata	71.101-00		
To Blood Donation	5.000-00		
To Book fair expenses	41.542-00		
To Swasthya & Jankalyan Exp.	653-00		
To Purohit Prashikshan Sivir Exp.	54.441-00		
To Gaushala Exp.	2.100-00		
To Misc. Exp. w/off.	11.924-00		
To Excess of income over expenditure being transferred to General Fund	1.10.765-17		
	49,49,093-11		49.49.093-14

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

DETAILS OF SCHEDULES TO FINANCIAL YEAR 2017-2018

SCHEDULE -1 FIXED ASSETS AND DEPRECIATION

ASSETS	RATES IN %	BALANCES AS ON 01.04.17	ADDITION	TOTAL	DEDUCTIONS	DEPRECIATION DURING THE YR	BALANCE AS ON 31.03.18
Building of							
Arya Samaj Mandir	–	21.34.634.85	–	21.34.634.85	–	–	21.34.634.85
Silver utensils	–	930.29	–	930.29	–	–	930.29
Other utensils	–	43.454.21	–	43,454.21	–	–	43,454.21
		21,79,019.35		**21,79,019.35**	–	–	**21,79,019.35**
Lift	15.00	2.65.675.00	–	2.65.675.00	–	39.851.00	2.25.824.00
CCTV	15.00	51.000.00	1900.00	52,900.00	–	7.935.00	44.965.00
Air Condition Machine	15.00	7.73.500.00	-	7.73.500.00	–	1.16.025.00	6.57.475.00
		10,90,175.00	**1900.00**	**10,920,75.00**	–	**1,63,811.00**	**9,28,264.00**
Furniture	10.00	41.430.00	-	41.430.00		4.143.00	37.287.00
Microphones	10.00	20.421.00	–	20,421-00		2.042.00	18.379-00
Typewriter	10-00	263.00	–	263-00	–	–	263-00
Tape recorder	10.00	47.00	–	47.00	–	–	47.00
Amplifier	10.00	87.00	–	87.00	–	–	87.00
Fans	10.00	2,271.00	–	2,271.00	–	227.00	2,044.00
Steel Almirah	10.00	644.00	–	644.00	–	64.00	580.00
Grinding Machine	10.00	1.7296.00	–	17.296.00	–	1.730.00	15.566.00
Aquaguard	10.00	4.539.00	–	4.539.00	–	454.00	4.085-00
Weighing Scale	10.00	6.475.00	–	6.475.00	–	648.00	5.827.00
		93,473.00	–	**93,473.00**		**9,308.00**	**8,4165.00**
DVD Writer	60.00	49.00	–	49.00	–	–	49.00
Printer & Compu.	60.00	3.338.00	–	3,338.00	–	2.003.00	1.335.00
		3,387.00	–	**3,387.00**	–	**2,003.00**	**1,384.00**
Total		**33,66,054-35**	**1,900.00**	**33,67,954-35**	–	**1,75,122-00**	**31,92,832-35**

SCHEDULE NO. 2

Advance to staff

Shri Bhunesh Singh	6.026-00
Sri Dhanesh Jha	1.100-00
Sri Viresh kumar Arya	6.676-00
	13,802-00

OTHERS

Titagarh Arya Vidyalaya	10.000-00
I.T. Refundable	823-00
Vijaykumar Govindam Hasanabad	9.018-00
TDS (AY 2018-19)	4.275-00
Chunchun Mahto	1.278-00
Delhi Arya Pratinidhi Sabha	5.291-00
Shri Rajendra Kumar, Bareily	29.213-00
Arya Kanya Mahavidyalaya	10.000-00
Shri Vikash Gupta	5.247-00
Parimal Publication	2.305-00
Arya Samaj Panipat	500-00
Outstanding Interest from CESC Ltd.	4.805-11
Arya Yuwa Shakha	1.508-00
Sadhana Press	13.500-00
	1,11,565-11

SCHEDULE NO. 3 CLOSING STOCK

Books	12,43,845-00
Hawan Samagree	1,69,236-00
Samidha	2,960-00
Hawan kund	11,810-00
Poly Pack	59,190-00
	14,87,041-00

SCHEDULE NO.4 SUNDRY DEPOSITS

CESC Ltd. Secrurity	76,474-00
Kalkata Municipal Corporation	2,550-00
Calcutta Telephons	3,000-00
Bharat Gas	2,650-00
	84,674-00

SCHEDULE NO.5 Cash & Bank Balances

ALLAHABAD BANK	
College Street Market Branch	
Fixed Deposit	5,29,374-00
Saving Bank	23,301-64
A/c 50021426498	
Current Account	
A/c. No. 20809463927	19,410-83
Provident Fund Account	21,457-37
Bank of Baroda	
Fixed Deposit	24,77,170-00
Saving Bank	40.287-80
A/c No. 00250100008996	
MICR Code-700012011	
College Street Branch	
Cheque in hand	32,000-00
Cash in Hand	17,798-20
	31,60,799-84

SCHEDULE NO. 6

Other Liabilities

V. D. Garg & Co.	3,658-00
Dutta Concern	2,18,200-00
CESC Limited	19,400-00
Retirement provision	19,694-37
Arya Stree Samaj Cal.	3,00,397-00
Arya Pratinidhi Sabha	26,457-80
Mukherjee & Co.	71,518-00
Parmeshwar Das	258-00
Arya Sahitya Prachar Trust	15,540-00
Vaidik Anusandhan Trust	7,250-00
	6,78,715-17

SCHEDULE NO. 7-DEPOSITS

Security deposit	32,000-00

SCHEDULE NO 8 VAIDIC SAHITYA PRACHAR

Opening Balance	12,07,842-00
ADD : Purchased	2,19,324-00
: Prakashan Exp.	49,258-00
	14,76,424-00
Less: Closing Stock	12,43,845-00
	2,32,579-00

SCHEDULE NO 9-HAWAN SAMAGREE EXP.

Opening Balance	1,37,632-00
ADD : Purchased	14,17,040-00
Total.	15,54,672-00
Less: Closing Stock	2,43,196-00
	13,11,476-00

SCHEDULE NO.10-Annual function exp.

Electric exp.	31,800-00
Postage exp.	1,203-00
Misc. exp.	23,153-00
Pntg. & Stationery	23,565-00
Travelling & Conveyance	44,880-00
Shobha Yatra exp.	1,03,432-00
Hawan exp.	59,400-00
Food & refreshment	3,50,671-00
Dakshina exp.	1,28,208-00
Advertisement exp.	18,200-00
Pandal exp	1,10,000-00
Bal Kalyan	5,771-00
Abhinandan Exp.	4,285-00
Photo Exp.	5,000-00
	9,09,568-00

SCHEDULE NO-11 DONATIONS

General Donation	12,79,096-00
Dayanand Dharmarth Aushdhalaya	11,479-00
Atithishala	6,79,525-00
Annual Function	9,26,508-00
Shrawani Parv	95,130-00
Vedic Sahitya Prachar	2,91,810-00
Hawan Yagya	13,66,680-00
Arya Sansar	800-00
Arya Gaurav	700-00
	46,51,728-00

SCHEDULE NO-12 BANK INTEREST

Intt. On CESC deposit	5,339-11
Vaidic Pracharak Sahayata	24,057-00
Student Help	11,642-00
Atithi Satkar	2,290-00
Swasthya & Jankalyan	9,198-00
Ved Prachar	25,733-00
Mahila kalyan	26,162-00
Dharmarth Aushadhyalaya	10,284-00
Annual Function	12,862-00
Prakashan	21,381-00
Daily Hawan	24,376-00
Gurukul Sahayata	19,634-00
Saving bank	7,717-00
Water hut	388-00
Ved Vedang	6,509-00
Bal Puraskar	2,680-00
Pt. R. K. Upadhya Smrtikosh	4,947-00
Gaushala Samvardhan	5,476-00
Arya Stree Samaj Calcutta	23,927-00
	2,44,602-11

ARYA SAMAJ CALCUTTA

President **Suresh Chand Jaiswal**

Secretary **Dipak Arya**

Treasurer **Dhrub Chand Jaiswal**

AS PER OUR ANNEXED REPORT OF EVEN DATE

33/1, N. S. ROAD
KOLKATA - 700 001

For V. D. GARG & CO.
Chartered Accountants
FRN : 311051E
(VISHAMBER DAYAL GARG)
Proprietor
MEM.NO. 050131

DATED : THE 18th. DAY OF JUNE, 2018

आनुमानिक आय-व्यय बजट (वर्ष २०१८-२०१९)

खाता	आनुमानिक आय	आनुमानिक व्यय
	रु०	रु०
मासिक चन्दा	53,000	-------
दयानन्द धर्मार्थ औषधालय	15,000	1,10,000
वैदिक साहित्य प्रचार	3,00,000	2,50,000
हवन यज्ञ	14,00,000	13,20,000
बाल कल्याण	8,000	20,000
विद्यार्थी सहायता	12,000	11,000
आर्य संसार	2,000	1,00,000
आर्य गौरव	2,000	20,000
अतिथि शाला	7,00,000	1,50,000
पर्व खाते	1,00,000	2,00,000
प्रकाशन	22,000	70,000
वार्षिकोत्सव	9,00,000	10,00,000
वेद प्रचार	18,000	80,000
वेतन	——	2,10,000
बिजली	——	2,70,000
भवन प्रबन्ध, मरम्मत एवं रंगाई खर्च	——	5,00,000
टेलीफोन	——	5,000
मार्ग व्यय	——	10,000
स्टेशनरी एवं छपाई	——	20,000
फुटकर खर्च	——	50,000
डाक खर्च	——	3,000
दैनिक यज्ञ	——	1,00,000
अतिथि सत्कार	2,500	10,000
वाचनालय	——	6,000
गुरुकुल सहायता	20,000	50,000
बैंक खर्च	——	2,000
वैदिक प्रचारक सहायता	25,000	70,000
महिला कल्याण	26,000	80,000
स्वास्थ्य एवं जनकल्याण	9,000	10,000
जनरल दान	12,00,000	——
नेत्र शिविर	——	30,000
बाढ़ एवं प्राकृतिक विपदा सहायता	——	10,000
कानूनी सहायता	——	2,000
दशांश	——	6,000
अडिट फीस एवं एकाउटिंग	——	45,000
साधारण सभा	——	15,000
पुरोहित प्रशिक्षण शिविर	——	1,00,000
कुल योग	**48,14,500**	**49,35,000**
न्यूनता–	**1,20,500**	
(न्यूनता जो दान द्वारा पूरा करना होगा।)	**49,35,000**	

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

COMPUTATION OF TOTAL INCOME FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2018

Receipts			
INCOME FROM HOUSE PROPERTY			
Rent	36.780-00		
Less : Corporation Tax	-	36.780-00	
Less : 30% thereof		11.034-00	25.746-00
INCOME FROM OTHER SOURCE			
Interest		1.24.311-00	
Donation Received		2.100-00	
Less : Administrative Expenses		1.26.411-00	
Printing & Stationery	32-00		
Accounting charges	10.000-00		
Conveyance	72-00		
Audit Fee	1.500-00		
Postage	46-00		
Legal Exp	2.000-00	13.650-00	1.12.761-00
			1,38,507-00
Less : Not Exceeding15% thereof set appart			20.776-00
		Income Derived	1.17.731-00
Less : Charity & Donation as per I & E A/c		1.31.800-00	
Less: Deemed to be utilised for Asst. Year 2017-18		64.127-00	67.673-00
Oplian Exercise to be utilised in subsequent year relating to Asst. year 2017-18s	50.058-00		
	00-00		**50,058-00**
Income tax there on		NIL	
Less : TDS on FD		9.568-00	
REFUNDABLE		9570-00	

For Arya Mahila Siksha Mandal Trust

President : **Shriram Arya** *Secretary :* **Achchhelal Seth** *Treasurer :* **Dipak Arya**

FORM NO.10B (SEE RULE 17 B)

Audit Report under section 12 A (b) of the Income-Tax Act, 1961, in the case of charitable or religious trusts or institutions

*I/We have examined the balance sheet of ARYA MAHILA SIKSHA MANDAL TRUST [name of the trust or institution] as at 31st March 2018 and the profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said Trust.

*I/We have obtained all the information and explanations which to the best of *my/our knowledge and behalf were necessary for the purpose of the audit. In *my/our openion, proper books of account have been kept by the above named *trust/intitution visited by *me/us so far as appears from examination of the books of accounts.
In our openion and to the best of information, and according to information given to *me/us the said accounts give a true and fair view :

(i) In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the abovenamed *trust/institution as at 31st March 2018 and
(ii) in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31st March 2018

For MADANLAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
P. K. Agarwal, Proprietor Mem. No. 055900

Kolkata - 700 001
Date : The 19th. day of June 2018

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2018

Liabilities		Net Amount	Assets		Net Amount
Cropus Fund Accont :			**Fixed Assets**		
			Building		2.00.000-00
As per last Balance Sheet		4.50.000-00	Current Assets		
TRUST FUND ACCOUNTS :			**Cash & bank balances**		
Balance as per last A/c	12.56.129-27		Cheque in hand	1.00.000-00	
Add : Excess of Income			Cash in Hand (As Certified)	8.397-40	
over expenditure Account	17.741-00	12.73.870-27	Allahabad Bank		
Ear market Fund :			(Saving Account)	1.03.446-87	2.11.844-27
			Allahabad Bank F/D		13.00.000-00
Late Swarna Lata Khanna	5.000-00		Accured Intt.		13.193-00
Chairanjilal Bahari Memorial			Deposit with Rent Control		
fund	5,000-00	10.000-00			954-00
Current Liabilites & Provisions			TDS		
			Asst. Yr. 2007-08	3.228-00	
Madanlal & Associates		1.500-00	Asst. Yr. 2008-09	4.358-00	
Audit year			Asst. Yr. 2010-11	306-00	
Radheshyam Agrahari Accounting charges		10.000-00	Asst. Yr. 2011-12	985-00	
			Asst. Yr. 2017-18	934-00	
		17,45,370-27	Asst. Yr. 2018-19	9.568-00	19.379-00
					17,45,370-27

Kolkata

For Madanlal & Associates.
Chartered Accountant
(P.K. Agarwal)
Proprietor
Memo No. 055900

Dated the 19th day of June 2018

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

Sd/- **Sree Ram Arya** *President*

Sd - **Achchhelal Seth** *Secretary*

Sd - **Deepak Arya** *Treasurer*

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2018

Expenditure	Net Amount	Income		Net Amount
CharityExp.	1.31.800-00			
Printing & Stationery	32-00	By Rent		36.780-00
Acounting charges	10.000-00			
Legal Expenses	2.000-00	Interest		
Conveyance	72-00	Int. on Bank FD	1.15.739-00	
Audit fees	1.500-00	From Bank on Saving Bank	8.572-00	1.24.311-00
Postage Expenses	46-00	Donation		2.100-00
Surplus : Income Over Expenditure				
Transferred to Trust Fund A/c	17.741-00			
	1,63,191-00			1.63.191-00

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

President : **Sreeram Arya** *Secretary :* **Achchhelal Seth** *Treasurer :* **Dipak Arya**

	For Madanlal & Associates.	**Arya Mahila Siksha Mandal Trust**	
Kolkata	Chartered Accountant	*Sd/-* **Sree Ram Arya**	*President*
	(P.K. Agarwal)		
	Proprietor	*Sd* - **Achchhelal Seth**	*Secretary*
Dated the 19th day of June, 2018	Memo No. 055900	*Sd* - **Deepak Arya**	*Treasurer*

Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2018

Liabilities		Net Amount	Assets	Net Amount
General Fund:			Steel Almirah	2.797-00
As per last year	2.37.416-91		Furniture	396-00
Add: Surplus	10.707-12	2.48.124-03	**Fixed Deposit**	
Current Libities			Syndicate Bank with Accrued Intt	2.39.442-81
			Arya Samaj Calcutta	7.250-00
Audit fees		1.298-00	TDS Asst. year 2017-18	1853-37
Radheshyam Agrahari		7.000-00	**Cash At Bank**	
			Syndicate Bank	1.791-60
			Burrabazar Branch, Kolkata	
			S.B. A/c No. 95052010003230	
			Cash in Hand	2,891-25
		2,56,422-03		2,56,422-03

For Vaidik Anusandhan Trust

Trustee
Shreeram Arya

Trustee
Deepak Arya

Trustee
Rajendra Prasad Jaiswal

Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2018

Expenditure	Net Amount	Income	Net Amount
To Printing & Stationery	397-00	By S. B. Interest	420-55
To Conveyance	272-00		
To Acounting charges	7,000-00	By F.D. Interest	17,053-57
To Prakasion Exp.	54,785-00	Prakashan	59,120-00
To Depreciation :	381-00		
To Legal Expenses	750-00		
To Audit fees	1,298-00		
Meeting Expenses	1,004-00		
Surplus during the year	10,707-12		
	76,594-12		76,594-12

For Vaidik Anusandhan Trust

Trustee	Trustee	Trustee
Shreeram Arya	**Deepak Arya**	**Rajendra Prasad Jaiswal**

33/1, N. S. Road
Kolkata - 700 001

Dated the 13th day of June, 2018

For V. D. Gurg & Co.
Chartered Accountants
(Vishamber Dayal Garg)
Proprietor
Memo No.050131

Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & TAX COMPUTATION STATEMENT

Asst. Year 2018-2019

Total Income/Receipts			76,594-00
Total Funds Applied :			
Expenses during the period as per			
income & Expenditure account	65,887-00		
Less : Depreciation disallowed	381-00		65,506-00
Surplus accumulation			11,088-00
Less : Exempted upto 15% of Total Income	11,489-00	Restricted to	11,088-00
	Surplus :		Nil
	TAX		Nil

For Vaidik Anusandhan Trust

Trustee	*Trustee*	*Trustee*
Shreeram Arya	**Deepak Arya**	**Rajendra Prasad Jaiswal**

AUDITOR'S REPORT

We have audited the Balance Sheet as at 31st March, 2016 of **VAIDIK ANUSANDHAN TRUST** and the relative Income and Expenditure Account for the year ended on that date which are in agreement with the books of accounts submitted to us.

33/1, N. S. Road,

Kolkata - 700 001

Date : The 13th day of June, 2018

For V.D. GARG & CO.

Chartered Accountants

FRN 311051E
(VISHAMBER DAYAL GARG)
Proprietor
Mem. No. 050131

Arya Stree Samaj Calcutta

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

Income and Expenditure Account for the Year Ended 2017-2018

Expenditures		Income		
Salaries	3,900.00	General Donations		56,383.00
Adhyatamic Mahila Satsang	10,000.00			
Yagya & Prasad exp.	15,418.00			
Misc. Exp.	2,957.00	Subscriptions		20,951.00
Annual function	26,874.00			
Donations	11,121.00	Bank interest	23,927.00	
Accounting Charges	900.00	Less: TDS :	2,394.00	21,533.00
Stationery Expenses	172.00			
Dakshina	5,100.00			
Depriciation	691.00			
Bal Satsang	5,000.00			
Conveyance	190.00			
	82,323.00			
Surplus During the year	16,544.00			
	98,867.00			98,867.00

BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2018

Liabilities		Assets	
		Allahabad Bank FDR	3,00,397.00
General Fund		Intt. with Arya Samaj	21,533.00
Opening balance	3,18,521.50	Musical instruments	2,166.00
Add : surplus	16,544.00	Ved Sets	3,970.00
		Mike Set	1,291.00
		Chairs	2,775.00
		Cash in hand	2,933.50
	3,35,065-50		3,35,065-50

Acharyaji :
Pt. Nachiketa Bhattacharya

President :	*Secertary :*	*Treasurer*
Smt. Sushila Damani	Smt. Satyawati Jaiswal	Smt. Gitarani Jaiswal

Donations for 132nd Annual Function

Names	Rs.	Names	Rs.
Dollar Foundation	51000	Arya Sundra. Devi Jankalyan Trust	5100
Anandilal Poddar Charitable trust	41000	Shri Phool Chand Arya	5100
Arya Kanya Mahavidyalaya	27500	Smt. Saraswati Devi Arya	5100
Raja Mitsu Fashion	21000	M/S Beico Electronics	5100
Ramchandra Poddar Smarak Nidhi	21000	Shri Ashokhaudhary	5100
M/S R.J. Distributors	21000	Shri Satya Brat jaiswal	5000
Shri Nirdosh Kumar Agarwal	21000	Vijay Spres Corporation	5000
Udgeeth Nirman Pvt Ltd	21000	Vijay Spres Corporation	5000
Global Mining Tools	20000	Shri Nirdosh Kumar agarwal	5000
Raghumal arya Vidyalaya	19275	M/S Jai Bharat Fabrics	5100
Global Mining Tools	12100	Shri Ashwini Agarwal	5000
Shri Satya Brat Jaiswal	12000	Donation Box	5105
Resshi A One Pvt. Ltd	11000	Donation Box	4881
M.R.Khoradia Sewa Nyas	11000	M/S Technical Spares	5100
Soorajmull Baijnath Pvt. Ltd	11000	M/S Vijay Spares Corporation	5100
Kashiram & Earth Movers	11000	M/S J.B. Concern	5100
Shri Chand Ratan Damani	11000	Shri Prashant Agarwal	5001
H.V. Sharda Memorial Trust	11000	Pt. Ved Prakash Shastri	5000
Shri Mahesh Kumar Damani	11000	Shri Ashok Shaw	5000
Charu Enterprise	11000	M/S P.R. Trading Co.	5000
Shri Bitthal Das Daga	11000	M/S Vijay Spares Corporation	5000
Shri Ramesh Agarwal	10000	M/S Vijay Spares Corporation	5000
Smt. Monika Agarwal	10000	Shri Harbansh Maurya	4200
Samiksha Agarwal	9000	Indian Instrument Mfg. Co.	4000
Saksham Agarwal	8000	Shri Asharam Jaiswal	3500
Smt. Sushama Agarwal	8000	Shri Anand Kumar Gupta	3140
A.V.S.Earthmoving Spares	7400	M/S Princep Corner	3100
Shri Jagannath Prasad Jaiswal	7500	Smt. Gayatri Devi Kanoi	3100
Pt, Dev Narayan Tiwari	5100	Omex India sales Pvt. Ltd	3100
Neelkanth Nirman Pvt. Ltd	5100	M/S A.R. Verma & Sons	3000
Smt. Kalawati Devi Arya	5100	Shri Kumud Mishra	3000

Names	Rs.
Ganesh Spares Pvt. Ltd	2500
M/S Raju Brothers	2500
S. Narayan & Brothers	2500
Shri Jawahar Lall Shaw	2500
M/S Singh & Sons	2500
Shri R.S. Kanoria	2500
M/S Bijai Enterprise	2500
Jaiswal Sewa Sangh	2500
Raghupati & Brothers	2500
Pannalal ramesh Chand	2100
Mewalal Suresh Chand	2100
Shri Ramesh Chand Agarwal	2100
Shri Shiv Narendra Prasad	2100
Shri Naresh Kumar Shriwastava	2100
Shri Ashok Kumar Shriwastava	2100
Shri Rakesh & Smt Shanti Verma	2100
Smt. Snehlata Gupta	2100
Shri Pramod Agarwal	2100
Shri Vikash Agarwal	2100
Santosh Sanitary Works (P) Ltd	2100
Shri Shashibhusan Sriwastava	2100
M/S, G.D. Enterprise	2100
M/S Subham Earth Movers	2100
M/S. Spares India	2100
M/S. Sanjay Engineering	2100
M/S Spares Parts Enterprise	2100
M/S Umesh Earth Movers	2100
M/S Evergreen Enterprise	2100
M/S Bharat Industrial Corpn	2100
M/S Shiv Trading Corporation	2100
M/S Shree Sales Agency	2100
Shri Maniram Arya	2000
Shri Vishal Arya	2000
Shri Shreeram Arya	2000

Names	Rs.
Shri Sumedh Jaiswal	2000
Shri Sumedh Jaiswal	2000
Shri Vivek Jaiswal	2000
Smt. Aditi Arya	2000
Smt. Manju Arya	2000
Shri Yogendra Arya	2000
Shri Lakshmi Narayan Sahoo	2000
Shri Shreeram Arya	1900
Anand Iron & Steel Co.	2001
Anurag Steel Corporation	2000
M/S Surendra Industries	2000
Smt. Birma Devi Verma	2000
Smt. Ranjita Verma	2000
Miss Harshita Verma	2000
Shri Madanlal Seth	2000
Shri Anurag Jaiswal	2000
Shri Viresh Kumar Arya	2000
Smt. Gayatri Gupta	2000
Shri Govind Prasad Jaiswal	1940
Shri Shiv Kumar Jaiswal	1600
Shri Bhimsen Garg	1500
M/S Raju Brothers	1500
Shri Vivek Jaiswal	1500
M/S Deep Enterprise	1500
M/S. Star Autu Centre	1500
Smt. Rajshree Agarwal	1450
Shri Ashok Kumar Jaiswal	1500
Shri Magan Ram Shaw	1500
Ramdhani Jaiswal & Sons	1500
M/S J.P. Steels	1500
M/S Lords Steel	1500
Shri Amit Jain	1500
Kamla Pd. Jwala Prasad	1500
M/S Nath Brothers	1500

Names	Rs.
M/S Dayaram & Brothers	1500
Shri Khaderu Ram Shaw	1500
Shri Nandlal Seth	1500
Shri Ajit Jaiswal	1500
Bharat Markerting Co.	1500
Shri Shiv Kumar Jaiswal	1500
Shri Satyendra Jaiswal	1250
M/S Shital Pd. Kali Prasad	1200
Shri Nirdosh Kumar Agarwal	1200
Arya Stree Samaj Bhawanipur	1100
Smt. Bimla Devi Agarwal	1100
Shri Santosh Kumar Jaiswal	1100
Shree Ma Santoshi Stores	1100
Kapany Engg. Co. Pvt. Ltd	1100
Shri Satish Chand Jaiswal	1111
Hariom Frieght Carriers P Ltd	1100
Shri Amarnath Jaiswal	1100
Track Parts Distributors	1100
Tal Brothers Technologies P Ltd	1100
Shri Gangaram & Rajaram Jaiswal	1100
Shri Ajay Seth	1101
Machino Parts of India	1100
Heavy Equipment P. Department	1100
The Calcutta Gasket Mfg. Works	1100
Shri Taraknath Jaiswal	1100
M/S Star Spares Agency	1100
Shri Murlidhar Balai	1100
M/S India Sports Co	1100
Shri Gayadin Seth	1100
Shri Khushahal Chand Arya	1100
M/S Ramjash Hiralal	1000
M/S Ashok Kumar & Brothers	1000
M/S, S.S. Traders	1000
M/S Durga Trading	1000

Names	Rs.
M/S Rajesh Tube Corporation	1000
M/S Mahalaxmi Iron Trading Co.	1000
M/S P.K.Jaiswal & Brothers	1000
M/S Arvind & Co.	1000
Shri Vinay Kumar Jaiswal	1001
Shri Rajesh Mishra	1000
Om Byawsayik Sangh	1000
Shri Maniram arya	1000
Eastern Iron & Steel Co.	1000
M/S Tara Enterprise	1000
M/S Chandra & Chandra	1000
Shri Basant Kumar Memani	1000
M/S R.N.R. Udyog	1000
M/S A.K. Steel Industries	1000
Diamond Chain Corporation	1100
M/S R.B. Trading Co.	1100
Shri Vijay Seth	1100
Light Motors Stores	1100
Shri Binod Jaiswal	1001
Acharya Brahma Dutta Ji	1100
Vijay, Rahul , Renu Etc.	1100
Shri Satya Prakash Jaiswal	1000
Shri Manick Chand Shah	1100
Smt. Santosh Goel	1100
Smt. Mamta Jaiswal	1001
Smt. Annapurna Jaiswal	1100
Shri Ram Poojan Verma	1000
Shri sanjay Jaiswal	1000
Shri Mahendra Jaiswal	1100
M/S Moving Chain Centre	1100
Industrial Chain Supply Co.	1100
Mohanlal Indira devi	1100
Shri Dudhnath Shaw	1000
Jagdish Narayan Indra Bahadur Singh	1100

Names	Rs.
Shri Vivek Jaiswal	1000
Shri Vivek Jaiswal	1000
Shri Sanjay Agrahari	1100
Shri Sanjeev Jaiswal	1000
Bajaj Trading Company	1100
Smt. Sushila Pathak	900
Ram Chandra & Brothers	751
Shri Aditya Jaiswal	650
Shri Kapoor Chand Jaiswal	600
India Chain Concern	551
Shri Ram Satya Prakash	551
Shri Santlal Jaiswal	550
Shri Vikash Seth	500
Bimal, Babita & Dhruv Agarwal	500
Vijay, Rahul Renu Vaishali Agarwal	500
Smt. Kamla Devi Agarwal	500
Shri Shyam lal Agarwal	500
Saraswati Steels	500
Shri Lalu Prasad jaiswal	500
Shri Gorakhg Prasad jaiswal	500
Shri Ashok Chand Jaiswal	500
Shri Sanjeev Gupta	501
Shri Pravesh Nand Jaiswal	501
Shri Sahadev Ram Shaw	501
Shri Gulab Chand Jaiswal	500
Shri Rajendra Prasad jaiswal	501
Shri Shiv Kumar Agrahari	501
Shri Ved Prakash Gupta	500
Bharat Art Studio	500
Arya Samaj Udhava	500
Shri Subhash Jaiswal	500
Shri Ramesh Kumar Jaiswal	500
Haryana Steel Corporation	500
Dharam Weigh Bridge	500

Names	Rs.
Shri Brahm Dev Jaiswal	500
Shri Kapildev Ram Shaw	500
Confidential	500
Shri Siyaram Yadaw	500
Shri Amarnath & Ajay Jaiswal	500
Shri Ashok Jaiswal	500
Shri Lal Chand Seth	500
Shri Sujal & Sumedh Jaiswal	502
Shri Om Prakash Roy	500
Shri Sanjay Goel	500
Shri Harishchand jaiswal	500
Shri Baleshwar Arya	500
Hindustan Engg. Co.	500
Shri Rajesh Soni & Smt. Sushma Soni	500
Shri Ajay Jaiswal	500
Shri Prem Seth	500
Shri Ashok Agarwal	501
Shri Ashoik mKumar Dubey	501
Shri Nawal saharma	501
Shri M. Pawar	500
Shri Om Prakash Sharma	500
Shri sarthak Jaiswal	500
Shri Raj Kumar Jaiswal	500
Shri Pradip Kumar Jaiswal	500
Shri Rajendra Lal shaw	500
Shri Hari Narayan Jaiswal	501
Shri Santosh Kumar Gupta	500
Shri Ambika Prasad Verma	501
Gentek Services (P) Ltd	501
Shri Ram Achal Prajapati	501
Shri Kanhaiyalal Seth	501
Shri Siddharth Gupta	501
Shri Budh Dev Arya	500
Smt. Sudh[illegible] Arya	500

Names	Rs.
Shri Manoj Kumar Gupta	500
Shri Santlal Ji	500
Shri Vinay Kumar Arya	500
Smt. Neelam Praveen	500
Smt. Leena Damani Upopadhyaya	500
Smt. Sheela Verma	501
Smt. Ranjita Verma	500
Shri Becha ram Ji	500
Shri Lallan Babu	500
Shri Sanjay Verma	500
Shri Ganesh Prasad Jaiswal	500
Pradip Enterprise	500
Indian Steel Enterprise	500
Shitala Steel Corporation	500
Shri Ashok Kumar Jaiswal	500
Gita Ispat	500
Bharat Iron Stores	500
Prakash Company	500
Shri Subhash Gupta	500
Kanpur Steel Traders	500
Shri Kailash Babu	500
Rameshwar Dayal Mahesh Chand	501
B.S. Singh & Brothers	501
Shri Adya Prasad Jaiswal	501
Bajarang Automobiles	500
Manoj Kumar Arvind Kumar	500
BhagwanDas & Sons	500
Shri shyam Sundar Gupta	500
Shri Arun Kumar jaiswal	501
Shri Harshlal Jaiswal	500
Shri Subhash Chand Dutta	500
Smt. Shalini Jaiswal	501
Smt. Sanskriti Jaiswal	501
Shri Dipak Prakash Shaw	500

Names	Rs.
Shri Rishiraj Agarwal	500
Shri Some Deo Agarwal	500
Smt. Jashoda Devi Mundhra	500
Smt. Nandita Gupta	500
Smt. Seema Jaiswal	500
Shri Phool Chand Gupta	500
Smt. Ved Kumari Khanna	501
Smt. Madhuri Shah	500
Smt. Asha Jaiswal	500
Smt. Sushila Jaiswal	501
Smt. Bine Seth	500
Shri Satya Prakash jaiswal	500
Smt. Bela Jaiswal	501
Smt. Geeta Sharma	401
Saranams World	400
Shri Ganesh Chand Bandopadhyay	400
M/S M.A. Steel Traders	300
Shri Bhagwati Jaiswal	300
Ram sundar & Co.	300
Jaiswal Steel	300
Ram Karan & Brothers	300
Steel Udyog	300
Vijay Ironb Stores	300
Ma Durga Iron Stores	300
Manraj Ram Acharaj Ram	300
Shri Bimal Kumar Jaithaliya	300
Shri Shiv Kumar Jaiswal	300
Shri Jagannath Verma	300
Smt. Asha Jaiswal	300
Smt. Sushma Jaiswal	251
Smt. Geeta Devi Shaw	251
Shri Ram Charan Jaiswal	251
Shri R.K. Kapoor	251
Shri Radheshyam Agrahari	251

Names	Rs.
Shri Ram Roop Seth	250
Shri Ram Chandra Seth	250
Shri Suresh Gupta	251
Shri Surya Narayan jaiswal	251
Shri Nandkishor Prasad	251
Shri Dhrub Chand Shaw	251
Shri Mewalal Jaiswal	250
Shri Ramji Jaiswal	251
Shri Harilal Jaiswal	250
Ma Kamakhya Stor	250
Smt. Asha Arora	250
Shri Dayanand Prakash agarwal	250
Smt. Chanda Arya	251
Shri Rajendra Rastogi	251
Shri Rajkumar Shaw	251
Shri Dhruv Chand shaw	250
Shri Ram Gopal shaw	250
Arun Kumar Anup Kumar	250
Hazarilal Kali Prasad	250
Saty Industrial Corpn	250
Shri Dhrub Babu	250
Shri raj Kumar Gupta	250
Shri Arun Kumar Jaiswal	250
M.S. Alloys (P) Ltd	250
Confidential	250
Shri Madanlal & Lalchand Gupta	250
P. Nath & Sons	250
Chandi Prasad & sons	250
Shri ram Chet Shaw	250
Shri Pradip Jaiswal	250
H.P. Trading Corporation	250
Shri Murari Ji	251
Confidential	251
C C C	251

Names	Rs.
C S L	251
Dristi Pharma	251
K. Kunal & Co.	251
Palamo Safe	251
Chemical	251
R.S. Traders	251
Mehta Medicines (P) Ltd	251
Apex Agencies	251
Shri Dindayal Gupta	251
Smt. Sushila Damani	250
Shri Rajkumar Shaw	251
Shri Mayanath Podam	200
Shri Satyanarayan Babu	200
J.L. Enterprise	200
Shri Ram Pratap Ji	200
Gupta Trading Co.	200
Shri Munna, Umashankar Ji	200
Shri Mewalal Seth	200
Kali Prasad Kaushal Prasad	200
Confidential	200
Shri Ramlal Gupta	200
Jamu Ram Biswanath Prasad	200
Mahak Steel Traders	200
Gyan Chand Dhyan Chand	200
R.K. Steel Trading Co.	200
Dhiraj Kumar Kiran Kumar	200
Smt. Kusum Kapoor	200
Smt. Bharati Jaiswal	205
Jolly Enterprise	201
-----	201
-----	201
Shri Chandok	201
-----	201
-----	201

Names	Rs.
Smt. Kamla Devi Jaiswal	
Shri Praveen Jaiswal	200
Shri Arun Kumar Shaw	201
Shri Biphal Mandal	200
Shri Narayan Singh	200
Shri Shyam Kumar Singh	201
Shri Arun Jaiswal	201
Shri Chandan Kumar Kesari	200
Shri Rajesh Gupta	200
Smt. Ramawati Arya	200
Sm,t. Rita Jaiswal	201
Smt. Pratibha Gupta	200
Smt. Birma Devi Verma	200
Shri Ramdhani Gupta	205
Shri Ram Naresh Seth	200
Shri Ram Jatan Mandal	200
Shri Rajendra Arya	200
Shri Hiraman Mandal	202
Shri Birjanand Pandit	205
Smt. Kavita Jaiswal	200
Smt. Aradhana Jaiswal	200
Shri Prem Chand Ji	205
Shri Vivek Seth	200
Shri Bimal Sharma	200
Shri Shiv Prasad Shaw	200
Shri Sudesh Kumar Jaiswal	200
Shri Pt. Vikramaditya Ji	200
Smt. Savitri Jaiswal	201
Smt. Suneeta Jaiswal	201
Dr. Harishankar Thakur	200
Arya Samaj Kharda	201
Smt. Dayawati Devi	180
Shri Hargauri Bhagat	151
Sara & Samidh Sinha & K. Mukherjee	153

Names	Rs.
Shri Om Prakash Arya	150
Shri Binod Kumar Jaiswal	151
Shri Vaibhaw Agarwal	150
Shri Vuijay Raj Tamoli	151
Shri M.L. Gupta	150
M/S Ganpati Steel	150
M/S. S. Steel	150
Shri Arvind Roy	150
Shri Amar Singh Saini	151
Smt. Pratibha Jaiswal	151
Smt. Manorama Jaiswal	151
Shri Dharam Dev Singh	121
Shri Viresh Arya	120
Shri Ravindra Jain	110
Shri Hari Chaudhary	110
Diliup Kumar & Sons	100
S.K. Trading	100
Steel India	100
Shri Punit Jaiswal	100
Shri Pradip Kumar Jaiswal	100
Shri Ram Shyam Jaiswal	100
Shri Dashrath Babu	100
Shri Raj Kumar Ji	100
Shri Ajay Jaiswal (Devki Babu)	100
Steel Burn	100
Din Gupta & Brothers	100
Shri Gopal Chand shaw	100
Shri Shiv Kumar Shaw	100
Smt. Maya Gupta	100
Smt. Satyawati Gupta	100
Smt. Neeta Sharma	101
Smt. Sangita Jaiswal	100
Smt. Shradha Jaiswal	101
Smt. Sushila Jaiswal	101

Names	Rs.
Smt. Pravina Jaiswal	101
Shri Suresh Jaiswal	101
Smt. Poonam Jaiswal	101
Shri Sandip Adhikari	101
Shri S.C.Pandey	100
Atut Astha Marketing (P) Ltd	101
Shri R.N. Saha	100
Shri Vishwajit Das	100
Shri Umashankar Ji	101
Shri Saksham arya	100
Shri Ajay Kumar Shaw	101
Smt. Shalini Kapoor	100
Smt. Sharmila Devi	100
Shri Ashim Kumar Devsharma	101
Shri Rajesh Agarwal	100
Shri Parasnath Prasad	102
Master Vedanshu Jaiswal	100
Akanksha Jaiswal	100
Shri Suyash Jaiswal	100
Shri Baijnath Arya	100
Shri Nikhil Datta	100
Shri Tapan Kumar vDevsharma	100
Smt. Uma Jaiswal	101
Shri Achchhelal jaiswal	101
Shri Sukes Sambhu	101
Shri Sikandar Shaw	101
Shri Gajanand Ram	100
Shri Sachindra Narayan Mohanta	100
Shri Ramesh sharma	101
Shri Ram Charitra Prasad	105
Smt. Puspa Jaiswal	101
Smt. Maya Roy	101
Smt. Sadhana Jaiswal	101
Shri Dinesh Gupta	101
Smt. Seema Jaiswal	101
Smt. Janki Jha	101
Master Aditya Jha	101
Smt. Savitri Maurya	100
Smt. Puja Jaiswal	101

Names	Rs.
Hriday Mohan Jaiswal	100
Smt. Usha Singh	100
Smt. Sunita Jaiswal	51
Lakhi, Harishchand & Rahul Jaiswal	51
Shri Diwakar Pandey	51
Shri Kishan Jaiswal	51
Shri Raju Swarnkar	51
Smt. Malti Devi	51
Smt. Parvati Devi	50
Shri Om Prakash Gupta	50
Shri Ram Samujh Gupta	50
Shri R.D. Jadav	50
Shri Shyam Ji	50
Smt. Suman Jaiswal	21
Smt. Geeta Jaiswal	21
Shri Surendra Kumar Singh	21
Shri Manoj Shaw	21
Collected by Shri M.L.Seth	11138
	9,26,508-00

Gripper

आर्य समाज कलकत्ता के प्रकाशन

पुस्तक विक्रेता, आर्य संस्थाओं, उपदेशकों को ४० प्रतिशत की छूट दी जाती है।

पुस्तक का नाम	लेखक/सम्पादक	मूल्य
१. युग निर्माता सत्यार्थ प्रकाश-संदर्भ दर्पण (ऐतिहासिक संदर्भ में सत्यार्थ प्रकाश की यात्रा का दस्तावेज)	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	७०.००
२. स्वामी दयानन्द का राजनीति दर्शन (स्वामी दयानन्द के राजनीत दर्शन का समीक्षात्मक अध्ययन)	डॉ० लाल साहेब सिंह	५०.००
३. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज की देन (उन्नीस उत्कृष्ट निबंधों का संग्रह)	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय द्वारा सम्पादित	१५.००
४. त्रैतवाद का उद्भव और विकास (त्रैतवाद का उसके उद्भव और विकास के वैशिष्ट्य को स्पष्ट करने वाला दर्शन का शोधपूर्ण ग्रंथ)	डॉ० योगेन्द्र कुमार शास्त्री	२०.००
५. उपनिषद् रहस्य (ईश केन और प्रश्न उपनिषदों की सारगर्भित व्याख्या)	महात्मा नारायण स्वामी "सरस्वती"	२०.००
६. श्री श्री दयानन्द चरित	श्री सत्यबन्धुदास	१०.००
७. महर्षि दयानन्द की देन (निबन्धों का संग्रह)	आर्यसमाज कलकत्ता द्वारा प्रकाशित	३०.००
८. धर्मवीर पं० लेखराम	स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती	५०.००
९. आनन्द संग्रह (स्वामी सर्वदानन्दजी महाराज के उपदेशामृत)	वीतराग स्वामी सर्वदानन्दजी महाराज	२५.००
१०. भाई परमानन्द (बलिदानी वंश के कुलदीपक की अमर कहानी)	श्री बनारसी सिंह	१०.००
११. धर्म का आदि स्रोत	पं० गंगाप्रसाद जी	३०.००
१२. संकल्प सिद्धि (विचारों के संकल्प विकल्प का अनोखा चिन्तन)	स्वामी ज्ञानाश्रम	३०.००
१३. ज्योतिर्मय (श्रीयुत् टी. एल. वास्वानी द्वारा लिखित (Torch Bearer)) का हिन्दी अनुवाद	टी॰एल॰ वास्वानी	३०.००
१४. वेद-वैभव	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१५०.००
१५. कर्मकाण्ड	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१०.००
१६. स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का योगदान	ले० सत्यप्रिय शास्त्री	५०.००
१७. आर्यसमाज कलकत्ता का इतिहास	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	८०.००
१८. मेरे पिता	इन्द्र विद्यावाचस्पति	५०.००
१९. वेद और स्वामी दयानन्द	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	४०.००
२०. व्यतीत के यश की धरोहर (महासम्मेलनों के संस्मरणात्मक आकलन)	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	६०.००
२१. Torch Bearer	टी० एल॒० वास्वानी	३५.००
२२. पं० गुरुदत्त लेखावली	मुनिवर पं० गुरुदत्तजी 'विद्यार्थी'	२५.००
२३. प्रार्थना प्रवचन	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	५०.००
२४. सन्ध्यारहस्य एवं संन्ध्या अष्टांग योग	प्रो० चमूपति एवं स्व० आत्मानन्द (एक जिल्द)	३०.००
२५. बंगाल शास्त्रार्थ	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	४०.००
२६. वेद में गोरक्षा या गोवध	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	५.००
२७. वेद रहस्य	महात्मा नारायण स्वामी जी	३५.००
२८. वेद वन्दन	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१६०.००
२९. राज प्रजाधर्म प्रबोधभाष्य	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	७०.००
३०. वेद-वीथिका	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१६०.००

आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी कोलकाता - ६ के लिए **श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल** द्वारा प्रकाशित तथा एशोशियेटेड आर्ट प्रिण्टर्स, ७/२, विडन रो, कोलकाता-६ में मुद्रित ।